वर्ष : 04 अंक : 267

गाजियाबाद, मंगलवार 17 फरवरी 2026

पृष्ठ-6 मूल्य : दो रूपये

RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

धर्मरहित विज्ञान लंगड़ा है, और विज्ञान रहित धर्म अंधा

अब एआई बनेगा भारत की नई शक्ति!

भारत मंडपम से पीएम मोदी ने किया तकनीकी क्रांति का शंखनाद

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित किया जाएगा और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग को प्रदर्शित करने वाले एक राष्ट्रीय मंच के रूप में देखा जा रहा है, जो नीति निर्माण, नवाचार और व्यापक कार्यान्वयन को एक ही मंच पर लाएगा। 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 क्षेत्रों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां, स्टार्टअप, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार भाग ले रहे हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान जियो एआई पवेलियन में जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति और स्मार्ट होम सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कंपनी के एआई-आधारित परिवर्तन का प्रदर्शन किया। 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई नेता एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए नई दिल्ली में एकत्रित हुए। एआई इम्पैक्ट समिट तीन मूलभूत स्तंभों या 'सूत्रों' पर आधारित हैः लोग, ग्रह और प्रगति। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो में 30 देशों के 300 से अधिक प्रदर्शकों के 10 से अधिक विषयगत पवेलियनों में भाग लेने की उम्मीद है। भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए प्रभाव-उन्मुख और जन-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है, जिसमें मापने योग्य सामाजिक और आर्थिक परिणामों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया है। यह शिखर सम्मेलन तीन मूलभूत स्तंभों पर आधारित है, जिन्हें 'सूत्र' कहा जाता है - एक संस्कृत शब्द जिसका अर्थ है मार्गदर्शक सिद्धांत या आवश्यक सूत्र जो ज्ञान और कर्म को आपस में जोड़ते हैं। ये सूत्र परिभाषित करते हैं कि किस प्रकार बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से सामूहिक लाभ के लिए एआई का उपयोग किया जा सकता है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप केंद्रित और परिणामोन्मुखी परिणाम दे रहा है। यह समिट सरकार और उद्योग जगत में प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक एआई तैनाती, नीतिगत सामंजस्य और संस्थागत समन्वय को बढ़ावा दे रहा है।

राजनाथ सिंह ने सेट किया नया टारगेट, बोले- 5 साल में चाहिए 'मेड इन इंडिया' एयरो इंजन

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई) को विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बताते हुए वैज्ञानिकों से दशकों से चल रहे एयरो इंजन विकास कार्य को अगले पांच वर्षों में पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में तेजी से महारत हासिल करने पर निर्भर करती है। बेंगलुरु स्थित गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान में बोलते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधीन कार्यरत यह प्रतिष्ठान भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। उन्होंने इसके वैज्ञानिकों को लगातार सफल परीक्षण करने और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने का श्रेय दिया।

राजनाथ ने कहा और आगे कहा कि डीआरडीओ का वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिन-प्रतिदिन भारत की रणनीतिक शक्ति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ प्रतिदिन एक के बाद एक सफल परीक्षण करता रहता है। हमें प्रतिदिन डीआरडीओ की उपलब्धियों के बारे में सुनने को मिलता रहता है। एक परीक्षण की चर्चा समाप्त होते ही दूसरी उपलब्धि की खबर आ जाती है। दूसरे शब्दों में, डीआरडीओ आज भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। एयरो इंजन में स्वदेशी क्षमता की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि जहां एक इंजन विकसित करने में आमतौर पर 20-25 साल लगते हैं, वहीं भारत को

अब पांच साल में वह हासिल करना होगा जिसे अन्य देशों को हासिल करने में दशकों लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक इंजन विकसित करने में 25 साल लगते हैं, तो भारत की वर्तमान स्थिति, हमारी रणनीतिक आवश्यकताओं और हमारी महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए, आपको यह मान लेना चाहिए कि आपके 20 साल पहले ही बीत चुके हैं और अब आपके पास केवल 5 साल बचे हैं। यह कोई चौंकाने वाली या आश्चर्य की बात नहीं है; यह एक चुनौती है। हमें इन 5 वर्षों में वह हासिल करना है जो अन्य देश 20 वर्षों में करते हैं। यहीं पर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बेंगलुरु को नवाचार और कुशल मानव संसाधन का वैश्विक प्रतीक बताते हुए, सिंह ने कहा कि यह शहर और जीटीआरई 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज के समय में, बेंगलुरु न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में नवाचार, प्रौद्योगिकी और कुशल मानव संसाधन का प्रतीक बन गया है। मेरा मानना है कि 2047 तक, विकसित भारत के उस रोडमैप में, जिसके साथ हम आगे बढ़ रहे हैं, बेंगलुरु शहर और जीटीआरई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है।

निर्वाचन आयोग का बड़ा एक्शन! पश्चिम बंगाल के 7 अधिकारी निलंबित, 'गंभीर कदाचार' के लगे आरोप

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारियों के बीच एक कड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। निर्वाचन आयोग ने चुनाव संबंधी विधिक प्रावधान के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पश्चिम बंगाल में सात अधिकारियों कोगंभीर कदाचार, कर्तव्य में लापरवाही और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े वैधानिक अधिकारों के दुरुपयोग के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ये सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग के लिए सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे।

निलंबन का मुख्य कारण: 'गंभीर कदाचार'

निलंबित किए गए ये सभी सात अधिकारी सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इन अधिकारियों ने मतदाता सूची तैयार करने की वैधानिक प्रक्रिया में निम्नलिखित अनियमितताएं कीं:

गंभीर कदाचार: विधिक प्रावधानों का उल्लंघन।

कर्तव्य में लापरवाही: मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता से न लेना।

अधिकारों का दुरुपयोग: मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) से जुड़े वैधानिक अधिकारों का गलत इस्तेमाल। बूथ स्तरीय अधिकारी, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और उनके सहायक राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जो मतदाता सूची अद्यतन करने और चुनाव कराने में सहायता के लिए प्रतिनियुक्ति पर काम करते हैं।

आयोग और राज्य सरकार के बीच बढ़ता टकराव

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पहले से ही तनाव की स्थिति बनी हुई है। आयोग का यह कड़ा रुख दर्शाता है कि मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता के मामले में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आदेशों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्देश दिया है कि संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभाग के जरिए इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करें और इसकी जानकारी आयोग को दें।

निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पहले से ही टकराव की स्थिति बनी हुई है।

9 जजों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से करेगी सुनवाई, तय होगी महिलाओं के प्रवेश की वैधता

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के पहाड़ी तीर्थस्थल सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश की वैधता से संबंधित पुनर्विचार याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने पक्षों को लिखित दलीलें प्रस्तुत करने के लिए 14 मार्च की समय सीमा निर्धारित की है और सुनवाई 22 अप्रैल तक समाप्त होने की उम्मीद है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि इस मामले को नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए, जिसकी संरचना मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से अधिसूचित की जाएगी।

यह मामला सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से जुड़ा है, जिसने सभी उम्र की महिलाओं को सबरीमाला में प्रवेश की अनुमति दी, और उस लंबे समय से चली आ रही

प्रथा को पलट दिया जिसके तहत मासिक धर्म वाली उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने से रोका जाता था। 2018 का फैसला पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से सुनाया था। इस फैसले के बाद केरल भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तियों और संगठनों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं।

नवंबर 2019 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन पुनर्विचार याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया, लेकिन इस मुद्दे का कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया। न्यायालय ने संकेत दिया कि आवश्यक धार्मिक प्रथाओं और संवैधानिक अधिकारों से संबंधित व्यापक कानूनी प्रश्नों की जांच के लिए एक बड़ी पीठ की आवश्यकता है।

स्वार्थ नहीं, जुड़ाव ही समाज की पहचान: मोहन भागवत

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गोरखपुर दौरे के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में भाग लिया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

संघ सूत्रों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने बाबा गंभीर नाथ सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया।

सम्मेलन से पहले, उन्होंने दीप प्रज्वलित करके संघ की 100 वर्षीय

यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद, भगवत ने प्रदर्शनी का दौरा किया और संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

यूपी में निजी अस्पतालों पर योगी सरकार का बड़ा एक्शन

डिप्टी सीएम बोले- 178 लाइसेंस रद्द, 281 पर एफआईआर

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिकायतों और निरीक्षणों के बाद राज्य के 178 निजी अस्पतालों के लाइसेंस रद्द कर दिए थे, जिनमें से 59 को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष सुनवाई के बाद बहाल कर दिया गया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सोमवार को विधानसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने आगे बताया कि नियमों का उल्लंघन करते हुए चल रहे 281 अस्पतालों के खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी

के विधायक अतुल प्रधान के निजी अस्पतालों के खिलाफ शिकायतों और उन पर की गई कार्रवाई से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि लगभग 500 शिकायतें प्राप्त हुई थीं और हमने 178 अस्पतालों के लाइसेंस रद्द कर दिए थे। लाइसेंस रद्द करने के बाद, अस्पतालों ने एक प्राधिकारी के समक्ष अपील की, जिसने सुनवाई के बाद 59 अस्पतालों के लाइसेंस बहाल कर दिए। उपमुख्यमंत्री, जिनके पास चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्रालय का पोर्टफोलियो भी है, ने आगे कहा कि 533 अस्पतालों को जब्त कर लिया गया है, जबकि 1,542 अस्पतालों को नोटिस जारी कर उन्हें नियमों का बेहतर अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। सरकार से यह भी पूछा गया कि क्या वह निजी अस्पतालों द्वारा अत्यधिक बिलिंग को विनियमित करने, परामर्श शुल्क और चिकित्सा परीक्षण शुल्क में एकरूपता लाने और मनमानी मूल्य वृद्धि को रोकने की योजना बना रही है।

हरियाणा के पलवल में मातम, 5 बच्चों समेत 12 की मौत

क्या दूषित पानी बन रहा है काल?

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों के प्रसार को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के अंत से फरवरी के मध्य तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। प्रारंभिक जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को, चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग

और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर-घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई।

सात मौतें 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच हुईं। इनमें से चार मौतें तीव्र हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर के कारण हुईं। मृतकों की आयु 9 से 65 वर्ष के बीच थी। बाद में रिपोर्ट की गई अन्य मौतों की समीक्षा की जा रही थी। अधिकांश रोगियों ने अपनी स्थिति बिगड़ने से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी और पीलिया की शिकायत की थी। मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले महीने जहरीले पानी से 16 लोगों की मौत के कुछ हफ्तों बाद इन मौतों की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे देश में दूषित पेयजल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पलवल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी सतिंदर वशिष्ठ ने बताया कि व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। उन्होंने कहा अब तक मृतक के करीबी संपर्कों सहित लगभग 1,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। लगभग 800 बाह्य रोगी परामर्श किए गए हैं और हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई के लिए रक्त के नमूनों की जांच की गई है। 210 लोगों के रक्त विश्लेषण में हेपेटाइटिस बी के दो और हेपेटाइटिस सी के नौ मामले सामने आए। हेपेटाइटिस ए और ई के सभी नमूनों की जांच नेगेटिव आई। स्क्रब टाइफस के परिणाम अभी प्रतीक्षित हैं। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अब तक एकत्र किए गए 107 घरेलू जल नमूनों में से 23 गुणवत्ता जांच में विफल रहे, जो जीवाणु संदूषण और अपर्याप्त क्लोरीनीकरण का संकेत देते हैं। परीक्षण के एक अन्य चरण में भंडारण टैंकों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया पाए गए। सुधारात्मक कदम उठाने से पहले दर्जनों नमूनों में क्लोरीन अनुपस्थित पाया गया। निवासियों की पानी की आपूर्ति, भूमिगत भंडारण टैंकों और टैंकरों पर निर्भरता है। रिवर्स ऑस्मोसिस से उपचारित पानी पड़ोसी क्षेत्रों से लाया जाता है। भूमिगत टैंकों में अनियमित रूप से पानी भरने और अपर्याप्त कीटाणुशोधन के कारण जलजनित संक्रमणों का खतरा बढ़ गया है।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला: दिल्ली कोर्ट ने लालू यादव और राबड़ी देवी पर तय किए आरोप, अब चलेगा मुकदमा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले के सीबीआई मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी अदालत में पेश हुए, आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे। यह मामला रेलवे ग्रुप डी की नौकरियां उम्मीदवारों को जमीन के बदले दिलाने के कथित अपराध से संबंधित है।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने इस मामले में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय किए। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से पेश

होना होगा, जब तक कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति न दी जाए। मीसा भारती ने कहा कि उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए अदालत ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने के लिए कहा है। 9 जनवरी को राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया था।

आरोप तय करते समय, सीबीआई की विशेष अदालत ने टिप्पणी की थी, प्रथम दृष्टया, लालू प्रसाद यादव के मार्गदर्शन में सरकारी नौकरियों का इस्तेमाल करके अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से इच्छुक नौकरी चाहने वालों से अचल संपत्ति हासिल करने की साजिश रची गई थी।

मंडलायुक्त राजेश प्रकाश ने तहसील, नगर पंचायत एवं कलेक्ट्रेट के विभिन्न अनुभागों का किया निरीक्षण

अधिक समय से लम्बित मुकदमों का प्राथमिकता के आधार पर किया जाये, राजस्व वसूली के कार्य में तेजी लाये: मण्डलायुक्त

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। राजेश प्रकाश, मंडल आयुक्त विंध्याचल मंडल मीरजापुर ने आज जनपद भ्रमण के दौरान तहसील राबट्र्सगंज, कलेक्ट्रेट के विभिन्न अनुभागों एवं नगर पंचायत चुर्क/गुरमा का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली, साफ-सफाई, वाद-निस्तारण एवं नागरिक सुविधाओं की स्थिति का गहन अवलोकन किया। तहसील रावट्र्सगंज के निरीक्षण के समय मंडल आयुक्त ने उप जिलाधिकारी सदर को निर्देशित करते हुए कहा कि तहसील परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए, अनावश्यक रूप से रखी गई सामग्रियों की नीलामी कर परिसर को सुव्यवस्थित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी मुकदमों एवं वादों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। अभिलेखागार एवं रिकॉर्ड व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए गए।

इसके पश्चात मंडल आयुक्त ने नगर पंचायत चुर्क/गुरमा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत को निर्देश दिए कि नगर पंचायत क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति निर्बाध एवं सुचारू रूप से की जाए। साथ ही नियमित साफ-सफाई, नालियों की सफाई तथा कूड़ा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए। राजस्व वसूली के कार्यों में तेजी लाने एवं कर संग्रहण को प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए गए। मंडल आयुक्त द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर के विभिन्न अनुभागों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान शिकायत कक्ष, जिला आपदा प्रबंधन कक्ष, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कक्ष, न्यायालय सहायक कक्ष, अभिलेखागार कक्ष एवं रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने खतौनी संख्या 1359, 60, 61 एवं 62 का अवलोकन कर अभिलेखों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण उपरांत कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी बी.एन. सिंह की उपस्थिति में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडल आयुक्त ने कहा कि सभी पत्रावलियों का समय से निस्तारण किया जाए तथा कोई भी मुकदमा अनावश्यक रूप से लंबित न रहें।

उन्होंने निर्देश दिए कि अपर जिलाधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करते हुए तहसील के मुकदमों की मासिक समीक्षा करायी जाये, इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से सम्बन्धित जीपीएफ पासबुक से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के देयकों का शीघ्र भुगतान तथा लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

मंडल आयुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता पारदर्शिता, समयबद्ध कार्यवाही एवं जनसेवा होनी चाहिए, जिससे आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) रमेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे) रोहित यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी मुख्यालय प्रदीप कुमार यादव सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिला सूचना कार्यालय सोनभद्र द्वारा जनहित में प्रसारित।

जिलाधिकारी ने किया तलहेटा, एनएचएआई का निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ द्वारा जनसुनवाई में किसानों से प्राप्त शिकायत के क्रम में, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सड़क किनारे किसानों की भूमि से मिट्टी उठाए जाने तथा उसके समुचित भराव न कराए जाने की बात कही गई थी, आज तलहेटा गांव स्थित दिल्लीझ मेरठ एक्सप्रेसवे (फेज-5) का स्थलीय निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी महोदय ने पूर्व में ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रबंधक को निर्देशित किया था कि यदि किसानों की भूमि से मिट्टी उठाई गई है तो उसकी गुणवत्ता पूर्ण भरपाई सुनिश्चित की जाए, अन्यथा संबंधित प्रकरण का नियमानुसार निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि आवश्यकता पड़ने पर वे स्वयं स्थलीय निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एनएचएआई द्वारा संबंधित स्थलों पर मिट्टी का भराव कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय ने मौके पर उपस्थित किसानों से संवाद कर उनकी अन्य समस्याओं की जानकारी ली। किसानों द्वारा गांव की पैमाइश कराए जाने तथा मुआवजा प्राप्त होने के पश्चात ही भूमि अधिग्रहण किए जाने की मांग रखी गई। इसके अतिरिक्त किसानों ने अन्य मांगें भी जिलाधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी महोदय ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को विधिवत मुआवजा प्रदान किए बिना उनकी भूमि पर कब्जा न लिया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि नियमानुसार गांव की पैमाइश कराई जाएगी। साथ ही किसानों की अन्य मांगों के संबंध में एनएचएआई के प्रबंधक एवं अभियंताओं से वार्ता कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

हर बूथ पर सक्रिय संपर्क से अधिकाधिक नए मतदाताओं को जोड़ना हमारा लक्ष्य: मयंक गोयल

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय, नेहरू नगर में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में एसआईआर अभियान को गति प्रदान करने तथा नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महानगर के सभी प्रकोष्ठ, प्रकल्प एवं विभागों के संयोजक एवं सहसंयोजक उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक का संयोजन महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान ने किया। इस अवसर पर महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल, एसआईआर महानगर संयोजक सुभाष चंद्र शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी सहित देवेंद्र गिरी, ओम प्रकाश शास्त्री, ओ.पी. अग्रवाल, वीरेंद्र सारस्वत, अभिषेक शर्मा, बृजभूषण शर्मा, प्रतीक माथुर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'जोश 2026' में गूंजा देशभक्ति का स्वर, फास्ट लर्नर के नन्हे सितारों ने बांधा समां

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। प्रारंभिक शिक्षा के अग्रणी संस्थान फास्ट लर्नर ने 14 फरवरी 2026 को अपना भव्य वार्षिक समारोह 'जोश 2026 झ कुछ कर दिखाने का' उत्साहपूर्वक आयोजित किया।

'मेरी माटी, मेरा देश' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में फास्ट लर्नर नेहरू नगर एवं फास्ट लर्नर ट्यावंद नगर शाखाओं के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

बच्चों ने किसान की मेहनत, सैनिकों के बलिदान और भारतीय संस्कृति की झलक प्रभावशाली नृत्य-नाटिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजीव शर्मा (विधायक, गाजियाबाद), भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर राम अवतार जिंदल , विनय सिंघल, प्रदीप चौधरी, निखिल कुमार एवं ज्ञान यादव सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि संजीव शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति का संचार करते हैं। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने विद्यालय के संस्कारयुक्त प्रयासों की सराहना की। डॉ. राम अवतार जिंदल एवं विनय सिंघल ने भी विद्यार्थियों की प्रतिभा की प्रशंसा की।

विद्यालय के निदेशक अमित कुमार अग्रवाल ने अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्या एकता सिंघल ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तनावमुक्त होकर दें परीक्षा, बेहतर मिलेंगे परिणाम: सीमा त्यागी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। बोर्ड परीक्षाओं का समय प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। कल से बच्चों की बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो रही है इस अवसर पर इंडियन पेरेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा त्यागी ने बोर्ड की परीक्षा देने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बच्चे किसी भी प्रकार के तनाव या दबाव में आए बिना आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें। परीक्षा जीवन का एक हिस्सा है, जीवन नहीं। अंक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की तुलना दूसरों से न करें, बल्कि उनकी मेहनत और प्रयासों की सराहना करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दिनों में घर का वातावरण शांत और प्रेरणादायक होना चाहिए। बच्चों को पर्याप्त नींद, संतुलित आहार और नियमित विश्राम का समय अवश्य दिया जाए। मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचते हुए पढ़ाई की सुनियोजित दिनचर्या अपनाने की सलाह भी दी गई। सीमा त्यागी ने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए उनका मनोबल बढ़ाएं और सकारात्मक मार्गदर्शन दें। उन्होंने कहा कि यदि किसी बच्चे को अत्यधिक तनाव महसूस हो तो उसे परामर्श (काउंसलिंग) की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

धूमधाम से मनाया गया एसएसडी जैन स्कूल का वार्षिकोत्सव

आगे बढ़ने की होड़ में अपनी संस्कृति को ना भूलें: अजय जैन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन पब्लिक स्कूल कविनगर में शनिवार को वार्षिक महोत्सव 'अंतराग्नि 2026' का आयोजन धूमधाम से किया गया। जिसके अंतर्गत विद्यालय के बच्चों द्वारा अत्यंत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ अंकित जैन जी के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया उनका साथ सचिव अजय जैन अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन,सह सचिव सुनील जैन,विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती लता चंद्रा के साथ साथ अन्य अतिथियों ने मिल करके किया। स्वागताध्यक्ष अजय जैन विजय जैन के साथ सचिव अजय जैन,अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन, लता चंद्रा ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर , शॉल,पटका, माला पहनाकर तथा फूलों का गुलदस्ता भेंट करके किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण 'भगवान पार्श्वनाथ स्तुति' द्वारा हुआ ।जो कि कक्षा 7 की छात्रा सानवी तथा अर्पणा द्वारा प्रस्तुत किया गया ।जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात छोटी-छोटी छात्राओं ने सुरीले स्वर में उपस्थित सभी अभिभावको छात्रों और गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया।'

बेबी शो' द्वारा छोटे-छोटे बच्चों ने मंच को सुशोभित किया और अपनी मासूम अदाओं से सब का दिल जीत लिया। इस अवसर पर ग्रुप ए में क्रिसवी जैन प्रथम,कानवी शर्मा द्वितीय रही ।ग्रुप बी मैं मतान्गी प्रथम तथा रयान्स द्वितीय रहे ।सभी बच्चों को सहानुभूति पुरस्कार वितरित किए गए प्रथम व द्वितीय आने वाले बच्चों को विशेष पुरस्कार दिए गए। यह पुरस्कार अउद्द सिटी विकास कश्यप,पुलिस उपायुक्त सूर्य बली मोर्य के साथ सचिव अजय जैन,अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन द्वारा वितरित किए गए ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता साधना जैन ने की एवं जज के रूप में इनके साथ प्रिंसिपल लता चंद्रा एवं शिवांगी जैन थी ।जिन्होंने बड़े ही अच्छी तरह से वेबी शो का परिणाम घोषित किया।

इसके बाद कक्षा नर्सरी, के.जी,प्रेप एवं कक्षा एक के विद्यार्थियों ने 'फैशन शो 'में रंग बिरंगी पोशाकों में रैंप वॉक किया जो इस कार्यक्रम के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा ।अभिभावकों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया ।कक्षा 6 के विद्यार्थियों ने शिक्षा और जागरूकता के अंतर्गत 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस'के लाभ और उससे होने वाले नुकसानों को विस्तार पूर्वक समझाया। इसके बाद कक्षा 1,2 और 3 के बच्चों के द्वारा 'आर्मी एक्ट' नाटक के माध्यम से भारतीय सेना के जवानों के संघर्षपूर्ण जीवन और उनके बलिदान को मंच पर जीवंत कर दिया। तत्पश्चात कक्षा 7 के छात्र व छात्राओं आयांश ,भारती ,आरुषि ,राधिका द्वारा राजस्थानी नृत्य के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक लोक नृत्य के रंगों को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

जिससे माहौल रंग रंगीला हो उठा ।इसके पश्चात कक्षा 1,4 व 5 के विद्यार्थी भाग्य और उसके साथियों द्वारा एक हास्य नाटक 'राजा के नए कपड़े 'का पौराणिक मंचन प्रस्तुत किया गया।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

शिकायतों का करें पूर्ण गुणवत्ता व समय से निस्तारण: रविन्द्र कुमार माँदड़

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। इस दौरान लोनी निवासी श्री कसाना द्वारा जिलाधिकारी महोदय से निवेदन किया गया कि उसके पुत्र के सीबीएसई बोर्ड के एडमिट कार्ड में विषय बदल गये है और उनके द्वारा सही विषय भरे गये थे, कृपया इसे सही करवाने का कष्ट करें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बंधित स्कूल प्रधानाचार्या सहित सम्बंधित अधिकारियों से वार्ता कर उक्त कार्य सही कराने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होने कहा कि इस प्रकार के मामलों को गम्भीरता से लेना अनिवार्य है, यदि इस प्रकार के प्रकरणों में सही से ध्यान ना दिया गया तो बच्चों का पूरा एक वर्ष खराब हो जाता है और उनका यह एक वर्ष बेहद मूल्यवान होता है। अधिवक्ताओं और किसानों द्वारा अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु जिलाधिकारी महोदय को निवेदन किया गया। जनसुनवाई के दौरान एक विक्लांग युवक फुरकान निवासी डासना द्वारा डीएल बनवाने हेतु निवेदन किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा आरटीओ विभाग को निर्देशित किया गया कि उक्त का डीएल हेतु आवेदन सहित अन्य प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएं इसके साथ ही उक्त युवक को अन्य योजनाओं के तहत लाभ दिलाने हेतु भी सम्बंधित विभागाधिकारी हो निर्देशित किया गया। जिससे उसे अधिक से अधिक योजनाओं को लाभ प्राप्त हो सकें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने तथा जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिया गया। जनता दर्शन में निरंतर प्राप्त होने वाली शिकायतों, समस्याओं और निवेदनों दिव्यांगजन कल्याण विभाग, शस्त्र लाईसेंस (विरासत), नियोजन विभाग (फैमिली आईडी), यू0पी0नेडा, पीएम सूर्य घर योजना, अवैध कब्जा/भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान आदि के निस्तारण एवं निवारण के क्रम में जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉंदड़ द्वारा आवश्यक दिशा–निर्देशित दिए गये।

जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि उक्त सभी कार्य युद्ध स्तर पर किये जाएं, उक्त से सम्बंधित किसी भी व्यक्ति को असुविधा का सामना ना करना पड़ें। ऐसा कोई भी कार्य बर्दाश्त नहीं किया जायेगा जिससे सरकार की छवि धूमिल हो। अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएं। जनता का उत्पीड़न किसी भी रूप में क्षमा योग्य नहीं हैं।

जीडीए वीसी ने किया निर्माणाधीन जोनल मार्गों का स्थलीय निरीक्षण, कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल द्वारा राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में जोनल प्लान के अंतर्गत निमार्णाधीन विभिन्न प्रमुख मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में 24 मीटर चौड़ी सी-6 जोनल रोड (लगभग 320 मीटर लंबाई) का अवलोकन किया गया, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण पाया गया। सीवर एवं नाली निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा मिट्टी समतलीकरण का कार्य प्रगति पर है। उपाध्यक्ष महोदय ने निर्देशित किया कि मार्ग के दोनों ओर मानकानुसार साइड वर्ज, मध्य में सेंट्रल वर्ज तथा उच्च स्तरीय उद्यानिकी एवं विद्युतीकरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कार्य को निर्धारित अवधि (मार्च 2026) तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। 18 मीटर चौड़ी डी-2 जोनल रोड (लगभग 930 मीटर लंबाई) पर लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण पाया गया। कार्य की गति अत्यंत धीमी पाए जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था को कड़ी चेतावनी दी गई तथा समयसीमा में कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। 45 मीटर चौड़ी ए-6 जोनल रोड, जो गौड़ कैस्केड सोसायटी से मेरठ रोड को जोड़ती है, के शेष 900 मीटर भाग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में लगभग 25 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। भूमि विवाद के कारण कार्य प्रारंभ में विलंब हुआ, तथापि जून 2026 तक कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। मार्ग के मध्य स्थित विद्युत लाइन शिफ्टिंग हेतु विद्युत विभाग से समन्वय स्थापित कर प्राक्कलन तैयार कर शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए गए। 30 मीटर चौड़ी बी-2 जोनल रोड (एमजी घरौंदा सोसायटी से भट्टा नं.-5 तक) के शेष 700 मीटर भाग में नाले एवं सीवर लाइन का आंशिक कार्य पूर्ण पाया गया। एक खसरा संख्या की भूमि न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण शेष कार्य प्रभावित है। निर्देशित किया गया कि विवादित भूमि को छोड़कर शेष कार्य प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए तथा न्यायालयीन प्रकरण के त्वरित निस्तारण हेतु विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा नेशन ने ऑनलाइन पढ़ाई में रचा इतिहास, कक्षा 10 बोर्ड तैयारी में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। बोर्ड, जेईई, नीट और अन्य कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले अग्रणी संस्थान शिक्षा नेशन ने एक असाधारण शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करते हुए 125 घंटे से अधिक समय तक लगातार ऑनलाइन पढ़ाई कराकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। संस्थान ने यूट्यूब पर 125प्लस घंटे की लाइव क्लास आयोजित कर आगामी बोर्ड परीक्षाओं से पहले कक्षा 10 का पूरा सिलेबस व्यापक और संरचित तरीके से कवर किया। यह अभूतपूर्व अकादमिक मैराथन कक्षा 10 के सभी प्रमुख विषयों फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, बायोलॉजी, सोशल साइंस और इंग्लिश, की संपूर्ण और व्यवस्थित रिवीजन के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई थी।

इस निरंतर लर्निंग पहल का उद्देश्य छात्रों को कॉन्सेप्चुअल क्लैरिटी, एग्जाम-फोकस्ड स्ट्रेटजी और बेहतर टाइम मैनेजमेंट स्किल्स से लैस करना था, ताकि प्री-बोर्ड के महत्वपूर्ण समय में वे आत्मविश्वास के साथ तैयारी कर सकें। 125प्लस घंटे की इस लगातार चली क्लास में अनुभवी फैकल्टी मेंबर्स ने स्ट्रक्चर्ड लेक्चर्स, डाउट-क्लियरिंग सेशंस, रैपिड रिवीजन मॉड्यूल्स और प्रैक्टिस डिस्कशन के माध्यम से पढ़ाई कराई।

प्रत्येक विषय को हाई-वेटेज टॉपिक्स, महत्वपूर्ण कॉन्सेप्ट्स, संभावित प्रश्न पैटर्न और बोर्ड एग्जाम ओरिएंटेड तैयारी तकनीकों के अनुसार व्यवस्थित किया गया। इस फॉर्मेट ने यह सुनिश्चित किया कि छात्र न केवल पूरा सिलेबस रिवाइज करें, बल्कि अपनी बुनियादी समझ भी मजबूत करें।

इस उपलब्धि पर बोलते हुए शिक्षा नेशन के फाउंडर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर डॉ. सौरभ कुमार ने कहा कि यह पहल अकादमिक एक्सीलेंस और छात्रों की सफलता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से प्रेरित थी। बोर्ड परीक्षाएं हर छात्र के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होती हैं।

हमारा लक्ष्य एक ऐसा इमर्सिव लर्निंग एक्सपीरियंस तैयार करना था, जो छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाए, एग्जाम एंग्जायटी कम करे और उन्हें एक फोकस्ड वातावरण में संपूर्ण तैयारी का अवसर दे।बता दे कि कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं जैसे जेईई और नीट के लिए मजबूत फाउंडेशन प्रोग्राम्स के लिए पहचाने जाने वाले शिक्षा नेशन ने एक बार फिर इनोवेशन, समर्पण और स्टूडेंट-सेंट्रिक स्ट्रेटजी के जरिए शिक्षा क्षेत्र में नया मानदंड स्थापित किया है। 125प्लस घंटे की लगातार पढ़ाई के साथ पूरे कक्षा 10 सिलेबस को एक संरचित अकादमिक ड्राइव में पूरा कर संस्थान ने न केवल नया रिकॉर्ड बनाया, बल्कि यह भी साबित किया कि सही प्लानिंग, एक्सपर्ट मेंटरशिप और दृढ़ संकल्प से शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

नोएडा मीडिया क्लब का प्रतिनिधिमंडल सीईओ से मिला

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में क्लब के एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कृष्णा करुणेश से शिष्टाचार मुलाकात की और पत्रकारों की सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में नोएडा के मीडिया कर्मियों के लिए कई महत्वपूर्ण समस्याएं उठाईं। इनमें पत्रकारों के लिए पार्किंग पास जारी करने, सेक्टर-29 स्थित गंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बने मीडिया क्लब कार्यालय के फ्लोर पर लिफ्ट के ठहराव की व्यवस्था कराने तथा मीडिया क्लब को स्थायी भूखंड उपलब्ध कराने की प्रमुख मांगें शामिल रहीं।

प्रतिनिधियों ने बताया कि इन सुविधाओं के अभाव में पत्रकारों को अपने दैनिक कार्यों के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सीईओ कृष्णा करुणेश ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में तत्काल ही एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे, ताकि पत्रकारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, महासचिव जे.पी. सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य आंचल यादव, मोहम्मद आजाद, मनोहर त्यागी, अरुण सिन्हा, पवन त्रिपाठी, पवन राज सिंह, हिमांशु शुक्ला, अली खान, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।मीडिया क्लब पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि प्राधिकरण द्वारा सकारात्मक पहल से पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

लोकतंत्र की आवाज को दबाने की खुलकर कोशिश कर रही भाजपा: पुरुषोत्तम नागर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत लखनऊ विधानसभा घेराव के लिए घर से निकलने से पहले ही बिशनपुरा आवास पर उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस सचिव पुरुषोत्तम नागर को साथियों सहित हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र, जनता और मनरेगा के अधिकारों को बचाने की लडाई है।

कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता हर हाल में सच्चाई और जनता की आवाज के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, लाला नागर, बेगराज धामा, बेदी नागर, सूरज बी डी सी, अजय धामा, दिनेश कुमार, राहुल नागर, सुमित बैसला, जगपाल चौहान, याकूब अली आदि कार्यकर्ता उपस्थित मौजूद रहे।

आर्य महिला पीजी कॉलेज में युवा महोत्सव ‘अभ्युदय’ 2026 का भव्य समापन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। तीन दिवसीय युवा महोत्सव ‘अभ्युदय’ 2026 का भव्य समापन महर्षि ज्ञानानंद सभागार में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। छात्राओं की रचनात्मकता, ऊर्जा और प्रतिभा से ओतप्रोत इस समारोह ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया।समापन सत्र का शुभारंभ प्रो० भावना त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात आशीष वचन डॉ शशिकांत दिक्षित ने प्रदान किए। उन्होंने छात्राओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया।विविध प्रतिभाओं का उत्सव महोत्सव के दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिताओं में शामिल रहे।संगीत गायन, संगीत वादन, नृत्य, वाद-विवाद, काव्य पाठ, निबंध लेखन, भाषण, मेहंदी, रंगोली, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग, मिमिक्री, माइम, नाटक ‘ईमानदारी की ताबीज’, प्रश्नोत्तरी, एकल नृत्य, कोरियोग्राफी, लोक नृत्य एवं फोक डांस सहित अनेक अन्य प्रतियोगिताएँ।कुल लगभग 37 प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बौद्धिक क्षमता, कलात्मक कौशल और मंचीय आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विजेता छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।महोत्सव में लगभग 450 छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिसने आयोजन को विशेष रूप से जीवंत और यादगार बना दिया।कार्यक्रम का संचालन स्वयं छात्राओं ने अत्यंत प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से किया महोत्सव की संयोजिका डॉ अंशुल जायसवाल रहीं, जबकि कार्यक्रम समन्वयक के रूप में डॉ सुनीता यादव, डॉ श्वेता सिंह एवं डॉ नीलम चौधरी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर नमिता सिन्हा, डॉ विनीता, डॉ मीनाक्षी मिश्रा, डॉ अनामिका सिंह, डॉ जया राय, रितिका सिंह सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।पूरे कॉलेज परिसर में उत्साह, ऊर्जा और उपलब्धि की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रतिभागियों और दर्शकों के उत्साह ने महोत्सव को एक यादगार सांस्कृतिक अनुभव बना दिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या प्रो रचना दुबे ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कंपोजिट विद्यालय पार्थला खंजरपुर के छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर ब्लॉक बिसरख गौतम बुद्ध नगर के छात्र-छात्राओं के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया।इस भ्रमण के दौरान, छात्रों ने दिल्ली म्यूजियम, कुतुब मीनार, लाल किला और विज्ञान म्यूजियम का दौरा किया।यह शैक्षिक भ्रमण छात्रों के लिए बहुत लाभकारी रहा,क्योंकि उन्होंने अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखा। इस भ्रमण का नेतृत्व अध्यापिका मंजू लता सिंह ने किया।

अशोक कुमार यादव ने बताया कि इस तरीके के शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं वह बच्चों को अपने देश की संस्कृति एवं इतिहास और भूगोल को जानने की जिज्ञासा को बनाए रखते हैं। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को इतिहास, संस्कृति और विज्ञान के बारे में जानकारी प्रदान करना था। छात्रों ने इस भ्रमण के दौरान बहुत कुछ सीखा और अपने ज्ञान को बढ़ाया। कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर के छात्र-छात्राओं और समस्त स्टाफ को अध्यापिका मंजू लता सिंह ने इस सफल शैक्षिक भ्रमण के लिए सभीको बधाई दी।

27 जायरीनो/हज यात्रियों का टीकाकरण एवं प्रशिक्षण दिया गया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की ओर से वर्ष 2026 में हज को जाने वाले जनपद सोनभद्र के सभी 27 जायरीनों/हज यात्रियों का टीकाकरण, मेडिकल स्क्रीनिंग एवं प्रशिक्षण ओबरा के इस्लामिया इंटर कॉलेज में सोमवार दिनांक 16 फरवरी को कराया गया। टीकाकरण कैंप में जिले से 27 जायरीन पहुंचे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनभद्र के निर्देश पर डॉ. आलोक सहाय प्रभारी स्वास्थ्य केंद्र ओबरा के नेतृत्व में आयोजित कैंप में टीकाकरण किया गया।

चिकित्सा टीम मेंचिकित्साधिकारी, नगरीय प्रा०स्वा०केन्द्र, ओवरा श्रीमती आकांक्षा स्टाफ नर्स, नगरीय प्रा०स्वा०केन्द्र, ओबरा मो० नसीम शाह कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र श्रीमती सीमा एच०वी०, ओबरा, सामु० स्वा०केन्द्र, चोपन, उपस्थित थीं। जिन्होंने जायरीनों के ब्लड प्रेशर व शुगर की भी जांच कर प्रमाणपत्र दिया।

हज प्रशिक्षक नज्म अली ने विस्तार से हज यात्रा सम्बंधित प्रशिक्षण दिया। ओबरा जामा मस्जिद के इमाम कारी मोहम्मद असलम और इंतजामिया कमेटी के सचिव राज अली अंसारी ने प्रशिक्षण की पूरी व्यवस्था की।

इस मौके पर इंतजामिया कमेटी के सदर हुसैन वहीदी, नायाब सदर मोहम्मद अली, उप सचिव अली शेर अहमद, मोहम्मद फिरोज,रियाज एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा आदि मौजूद रहे।

एसपी अभिषेक वर्मा ने जनता दर्शन में समस्याएं सुन त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया।जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

विराट हिंदू सम्मेलन मे उमड़ा जनसैलाब, स्वामी दीपांकर ने दिया एकता का मंत्र

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। छजारसी और चोटपुर कॉलोनी की संयुक्त समिति द्वारा आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन नोएडा सेक्टर 63 में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में मातृशक्ति, युवा और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लेकर अपनी सांस्कृतिक और सामाजिक एकजुटता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता स्वामी दीपांकर जी महाराज ने समाज को संगठित रहने का आह्वान किया। वही संयुक्त प्रचार प्रमुख कृपा शंकर नें पंच परिवर्तन विषय पर बौद्धिक दिया। महामंडलेश्वर साध्वी कृष्ण जी नें बहन-बेटियों की सुरक्षा और स्वावलंबन' पर प्रभावी मार्गदर्शन दिया। पूर्व प्रचारक सुरेंद्र कुमार नें देवों के देव महादेव और हिंदू समाज की वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम मे धार्मिक और सामाजिक विषयों पर मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कीं। जिसमे न्यू परिवर्तन स्कूल, आरएस इंटरनेशनल स्कूल, रिवर वैली पब्लिक स्कूल, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम स्कूल, एच एल पब्लिक स्कूल और साधना निवृत्ति पब्लिक स्कूल के बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। मंच का सफल संचालन हरि किशोर कुमार ने किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मनोज उपाध्याय एवं व्यवस्था प्रमुख बलवंत सिंह रहे। वही अतिथि परिचय जितेंद्र सिंह एवं हिंदू भूमिका प्रस्तुति भरत सिंह द्वारा की गयी। समिति एवं व्यवस्था कार्य देख रहे हरि किशोर कुमार नें बताया की कार्यक्रम को सफल बनाने मे तीन प्रमुख क्षेत्रों की टीम नें कार्य किया। जिसमे अतर सिंह कॉलोनी से योगेंद्र शर्मा, पुनीत झा, राजेश राय, रमन, कमलेश गुप्ता, प्रमोद पाठक, विवेक शुक्ला, अनिल शर्मा, अवकाश भारती योगदान रहा। चोटपुर से एसएन झा, मुकेश, डॉ. पवन, प्रेम, रोहित ठाकुर, राहुल ठाकुर, बीके सिंह, द्वारिका पांडेय, आनंद, सियावर ओझा, कमलेश मिश्रा, सावर, आदेश नंबरदार, मनोज प्रजापति, अमर चौरसिया, मनोज सिंह, हरे राम का योगदान रहा।

शांभवी महामुद्रा ट्रस्ट ने चारों प्रहर का जलाभिषेक कर द्वारा धूम धाम से मनाया महाशिवरात्रि पर्व

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। प्राचीन शिव शनि मंदिर सेक्टर 18 नोएडा में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रात्रि के चारों प्रहर में भजन एवं महा शिवरात्रि की कथा का गुणगान व प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवम चतुर्थ प्रहर के जलाभिषेक का आयोजन किया गया। महा शिवरात्रि की कथा का गुणगान शिव योगी कनक लता कनक ने किया। उन्होंने ने अभिषेक के समय प्रयोग की जाने वाली सामग्री से क्या क्या लाभ होते हैं, इस को विस्तार से बताया। इस अवसर पर शांभवी महामुद्रा ट्रस्ट मैं पढ़ने वाले बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उपस्थित सभी शिव भक्तों समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों ने जलाभिषेक कर भगवान भोले नाथ का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुधीर चंद पोरवाल, महासचिव कनक लता, कोषाध्यक्ष ज्योति पोरवाल, उपाध्यक्ष लव केश गोयल, सचिव नवीन पोरवाल, गीता पोरवाल, बेबी पोरवाल, सीमा गोयल, मोहिनी पोरवाल, नीलू सिंह, नीतू पोरवाल, हेमा पोरवाल, रागिनी पोरवाल, पुनीता देवी, खुशबू, मंजू देवी, राजीव पोरवाल, अवनीश पोरवाल, शशांक गुप्ता, राजेश पोरवाल, राजीव पोरवाल, श्याम मोहन पोरवाल, मीरा वर्मा आदि माताएं बहिनें एवं शिव भक्त उपस्थित रहे।

बदलते मौसम में पांच साल से कम उम्र के बच्चों का रखें विशेष ध्यान, लापरवाही पड़ सकती है भार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। फरवरी में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। जनवरी के मुकाबले ठंड कम जरूर हुई है और दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास होने लगा है, लेकिन रात के समय अब भी सर्दी बनी हुई है। दिन और रात के तापमान में इस उतार-चढ़ाव का सबसे ज्यादा असर पांच साल से कम उम्र के बच्चों पर पड़ रहा है। ऐसे में अस्पतालों में सर्दी, खांसी, बुखार और संक्रमण से पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ रही है। डॉ. रश्मि गुप्ता, शिशु रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रीशियन) एवं मैनेजिंग डायरेक्टर,फेलिक्स अस्पताल ने बताया कि छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पूरी तरह विकसित नहीं होती है। ऐसे में मौसम में अचानक बदलाव उनके शरीर को जल्दी प्रभावित करता है। दिन में हल्के कपड़े पहनाने और रात में पर्याप्त गर्म कपड़े न पहनाने जैसी लापरवाही बच्चों को बीमार कर रही है। बदलते मौसम में बच्चे इसलिए जल्दी बीमार पड़ जाते हैं क्योंकि पांच साल से कम उम्र के बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होती, जिससे उनका शरीर संक्रमण से लड़ने में कमजोर पड़ जाता है। इसके साथ ही दिन में गर्मी और रात में ठंड के कारण तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव होता है, जो शरीर के तापमान संतुलन को प्रभावित करता है। इस मौसम में वायरल बुखार, फ्लू और गले के संक्रमण तेजी से फैलते हैं, जिससे बच्चों के संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं स्कूल जाने और पार्क में खेलने के दौरान अन्य बच्चों के संपर्क में आने से भी संक्रमण फैलने की संभावना अधिक रहती है। अगर बच्चे को लगातार तीन दिन से अधिक बुखार रहे, सांस लेने में दिक्कत हो या बच्चा दूध, खाना न ले रहा हो, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। हल्के जुकाम या खांसी की स्थिति में भाप दिलाना, गुनगुना पानी पिलाना और पर्याप्त आराम देना लाभकारी है। हालांकि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवा नहीं देनी चाहिए। अधिकांश मामलों में वायरल संक्रमण 3 से 5 दिन में ठीक हो जाता है, लेकिन लक्षण गंभीर होने पर दवा और जांच जरूरी होती है। जरूरत पड़ने पर नेबुलाइजेशन, बुखार की दवा और अन्य उपचार दिए जाते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर निमोनिया जैसी गंभीर समस्या भी हो सकती है। बदलते मौसम में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। बच्चों को संतुलित आहार दें, जिसमें हरी सब्जियां, दाल, फल और पर्याप्त तरल पदार्थ शामिल हों। टीकाकरण समय पर कराएं और बच्चे की सेहत में मामूली बदलाव को भी नजरअंदाज न करें। मौसम का यह संक्रमण काल बच्चों के लिए संवेदनशील समय होता है। अभिभावकों की थोड़ी सी सतर्कता बच्चों को बीमारी से बचा सकती है। दिन की धूप भले ही गर्मी का अहसास कराए, लेकिन रात की ठंड अब भी असर दिखा रही है। ऐसे में बच्चों की सेहत को लेकर सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। बच्चों में बीमार होने के लक्षण - नाक बहना और जुकाम, सूखी या बलगमी खांसी, हल्का या तेज बुखार, गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ, उल्टी या दस्त, सुस्ती और चिड़चिड़ापन और बचाव के उपाय मे दिन और रात के अनुसार बच्चों के कपड़ों का चयन करें।

सम्पादकीय

युद्ध की हवाई पट्टी

प्रधानमंत्री मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में, पूर्वोत्तर की, प्रथम आपात हवाई पट्टी पर सी–130 जे विमान से लैंडिंग की, तो वह प्रथम विश्व नेता, प्रथम शासनाध्यक्ष बन गए। यह कीर्तिमान बड़ी उपलब्धि है, बहुअर्थी है। हमारे राफेल, सुखोई–30 और तेजस लड़ाकू विमानों ने भी आपात हवाई पट्टी को छुआ और फिर वे उड़ गए। यह 40 मिनट का युद्धाभ्यास वहां से 200 किलोमीटर दूर चीन ने भी देखा होगा और विश्व के कई देश चौकन्ने हुए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई पट्टी का औपचारिक उद्घाटन किया और वह युद्धाभ्यास के साक्षी भी बने। दुनिया के सर्वप्रथम प्रधानमंत्री की यह लैंडिंग सिर्फ चुनावी, राजनीतिक नेरेटिव ही नहीं है, बल्कि यह युद्धाभ्यास हमारी रक्षा तैयारियों, सामरिक शक्ति, प्रौद्योगिकी सक्षमता और बेशक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच का प्रदर्शन भी है। आत्मनिर्भर भारत की अभिव्यक्ति भी है। यह वायु रक्षा मोचेबंदी और आपात हवाई पट्टी इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि युद्ध की शैली बदलती जा रही है। अब दुश्मन सबसे पहले वायुसेना बेस, अड्डों और ठिकानों पर हमले कर दुश्मन देश की वायुसेना को विकलांग करता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरबेसों पर हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया था। एयरबेसों में गहरे गड्ढे कर दिए थे। बहुत कुछ मिट्टी–मलबा हुआ था। बताया जाता रहा है कि हमारे विमानों ने दुश्मन के 9 एयरबेस, रडार, अवॉक्स सिस्टम आदि ऐसे तबाह किए थे कि वहां से वायुसेना ऑपरेशन को करना और एयरबेस को युद्ध के लिए हमलावर बनाने में लंबा वक्त लगेगा। हालांकि चीन के साथ हमारे संबंध बदल और सुधर रहे हैं, लेकिन चीन एक प्रतिद्वंद्वी, अविश्वसनीय देश रहा है, लिहाजा भारत में ही सत्ता और सियासत का एक वर्ग उसे 'दुश्मन नंबर वन' मानता रहा है। बहरहाल 4.2 किमी लंबी यह हवाई पट्टी, राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर, 100 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इस पर 40 टन के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे। यहां से 74 टन के परिवहन विमान भी ऑपरेट किए जा सकेंगे। युद्ध या किसी भी आपात स्थिति में बचाव और सैन्य ऑपरेशन तुरंत संभव हो सकेंगे। उप्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भी आपात हवाई पट्टी बनाई गई थी। वहां भी प्रधानमंत्री ने लैंडिंग की थी। दरअसल ऐसी सामरिक तैयारियां दशार्ती हैं कि भारत में रक्षा उत्पादन और सैन्य रणनीति की दुनिया ही बदल चुकी है। बेशक 2026–27 के बजट में 7.85 लाख करोड़ रुपए रक्षा मंत्रालय को आवंटित करना एक राष्ट्रीय, सालाना औपचारिकता हो सकती है, लेकिन भारत का अपना रक्षा उत्पादन 2024–25 में 1.54 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा, जो एक कीर्तिमान है और 2014–15 की तुलना में 174 फीसदी अधिक है। भारत ने 23622 करोड़ रुपए के ब्रह्मोस मिसाइल, डोर्नियर–228 विमान, बुलेटप्रूफ जैकेट, चेतक हेलीकॉप्टर, हल्के टॉरपीडो, इंटरसेप्टर नौकाएं और गोला–बारूद आदि 100 से अधिक देशों को निर्यात किए हैं। अमरीका और फ्रांस सरीखे देश भी हमारे रक्षा–सामान के खरीददार हैं।

एआई इम्पैक्ट सम्मिट 2026 के नीतिगत-समूहगत वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में 16-20 फरवरी 2026 को आयोजित एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदार और समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए पहला बड़ा अक शिखर सम्मेलन है, जो 100+ देशों से 35,000+ प्रतिनिधियों को एकजुट कर रहा है। देखा जाए तो यह समिट इंडिया एआई मिशन के तहत आयोजित हो रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, उद्योग नेता, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी शामिल होंगे।

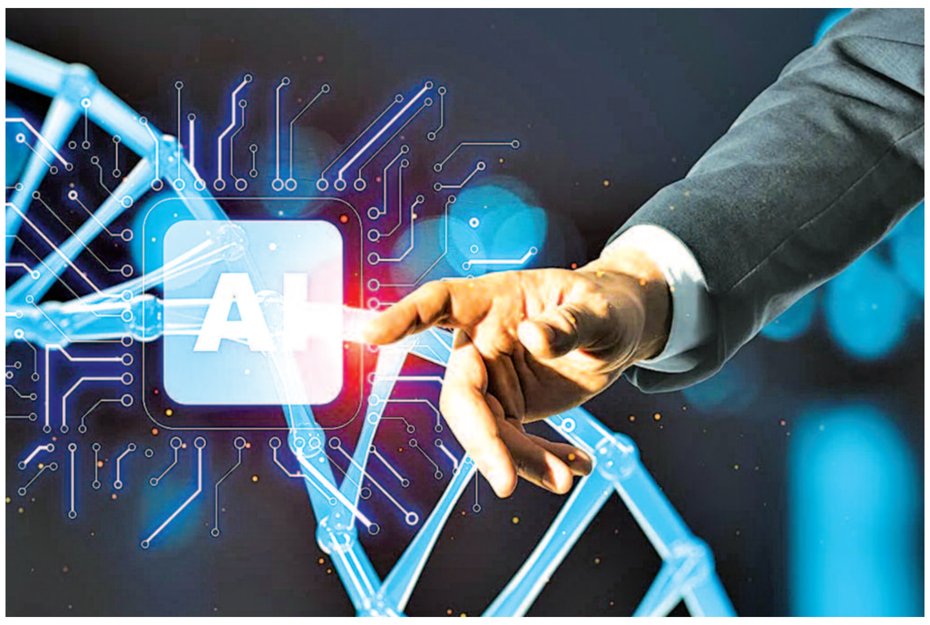

वास्तव में यह आयोजन UK AI Safety Summit, Seoul AI Summit जैसे पूर्व आयोजनों की निरंतरता में वैश्विक अकसहयोग को मजबूत करेगा। जिसका मुख्य थीम 'पीपुल, प्लैनेट, प्रोग्रेस' है। ये नीतियों को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने पर जोर देता है। इस समिट का वैश्विक महत्व यह है कि अकइम्पैक्ट समिट अकके लोकतंत्रीकरण पर फोकस करता है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संसाधनों को सुलभ बनाने हेतु सक्रिय किया गया है। वहीं, भारत की पूरक नवाचार क्षमता ग्लोबल अकनेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी, साथ ही जिम्मेदार अकशासन के मानकों को आकार देगी। इसमें 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी आर्थिक कूटनीति और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को मजबूत करेगी। इसकी प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं जो डेमोक्रेटाइजिंग अकरिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) सार्वजनिक अकसंसाधनों को किफायती बनाने पर काम कर रहा है। जहां तक इसके वैश्विक प्रभाव की बात है तो इससे जुड़ीं चुनौतियां समावेशी अकनवाचारों को प्रोत्साहित करेंगी। लिहाजा यह समिट अकको आर्थिक-रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर वैश्विक विभाजन को पाटेगा। दरअसल, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य एजेंडा एआई को जिम्मेदार, समावेशी और प्रभावी बनाने पर केंद्रित है, जो तीन सूत्रों– लोग, ग्रह, और प्रगति पर आधारित है। यह एजेंडा एक्शन से इंपैक्ट की ओर बढ़ने पर जोर देता है, जिसमें नीतियों को व्यावहारिक बदलावों में बदलना शामिल है।

इस आयोजन का मुख्य सूत्र ,निम्नवत है:- पहला, लोग यानी एआई का समावेशी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय में उपयोग। दूसरा, ग्रह यानी पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से लड़ाई और सतत विकास। और तीसरा, प्रगति यानी आर्थिक विकास, उत्पादकता वृद्धि और नवाचार को बढ़ावा। इसके दृष्टिगत ही प्रमुख सत्र और चक्र को निर्धारित किया गया है।

एआई इम्पैक्ट समिट को सात 'चक्रों' (फोकस एरियाज) में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चचाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग अकरिसोर्सेज यानी सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी एआई नवाचारों को प्रोत्साहन। तीसरा, अन्य सत्र जैसे वैज्ञानिक शोध में एआई (डॉ. अर्चना शर्मा जैसे विशेषज्ञ), उद्योग नेताओं के साथ नीति चर्चा, और टेक दिग्गजों की भागीदारी।

> एआई इम्पैक्ट समिट २०२६ से अपेक्षित प्रमुख परिणाम जिम्मेदार अकके वैश्विक मानकों को मजबूत करना और ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना हैं। यह समिट मापने योग्य प्रभावों पर केंद्रित है, जैसे अकसंसाधनों का लोकतंत्रीकरण और नीतिगत सहमति। इस दौरान नीतिगत समझौते भी होंगे।

जहां तक इसके अपेक्षित परिणाम की बात है तो ये सत्र 100+ देशों के नेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को जोड़कर वैश्विक अकशासन के मानक स्थापित करेंगे। यह समिट 16-20 फरवरी को नई दिल्ली में चल रहा है, जो ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूत करेगा।

दरअसल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से अपेक्षित प्रमुख परिणाम जिम्मेदार अकके वैश्विक मानकों को मजबूत करना और ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना हैं। यह समिट मापने योग्य प्रभावों पर केंद्रित है, जैसे अकसंसाधनों का लोकतंत्रीकरण और नीतिगत सहमति। इस दौरान नीतिगत समझौते भी होंगे।

इस समिट से अकशासन के लिए सात कार्य समूहों (चक्रों) के माध्यम से ठोस प्रतिबद्धताएं अपेक्षित हैं, जिनमें डेमोक्रेटाइजिंग अकरिसोर्सेज और सुरक्षित अकपर फोकस शामिल है। वास्तव में ये समझौते स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अक अनुप्रयोगों का विस्तार सुनिश्चित करेंगे। जहां तक इसके आर्थिक-सामाजिक प्रभाव की बात है तो वैश्विक दक्षिण में कौशल विकास, सतत अकसमाधान और समावेशी नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो असमानताओं को कम करेगा। भारत के नेतृत्व में 100+ देशों की भागीदारी से आर्थिक कूटनीति मजबूत होगी। इसके दीर्घकालिक परिणाम भी सकारात्मक मिलेंगे।

वास्तव में यह समिट एआई एक्शन प्लान और अगले वैश्विक शिखरों की नींव रखेगा, जो पर्यावरण संरक्षण और प्रगति को जोड़ेगा। कुल मिलाकर, यह अकको व्यापक लाभ पहुंचाने वाली तकनीक के रूप में स्थापित करेगा।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।
परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।
धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

मिथुन: का, की, कु, घ, ड:, छ, के, को, हा।
व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।
लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।
सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।
मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।
व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।
प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।
मान–सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।
धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे।

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।
व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें।

न संघर्ष थमेगा न होगा हसीना का प्रत्यर्पण

उमेश चतुर्वेदी

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उस पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलायेंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी. उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की माँग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की माँग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मो. यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे। बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की माँग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं। लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है।

बीएनपी का रूख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख अपनाया, उससे तारिक के मन की गाँठ खुली है। खालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है। इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी। खालिदा जिया के निधन के बाद हुई एस जयशंकर की ढाका यात्रा से ही भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कह चुके हैं कि हसीना 'खास परिस्थितियों' में भारत आई थीं और वह स्थिति उनके भविष्य को तय करने में बड़ा रोल निभाएगी। कुछ ऐसे ही शब्दों का प्रयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है। चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रहीं हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। जिसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगो ने मतदान ही नहीं किया। ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 से प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। गौर करने की बात है कि बीएनपी की अगुआई वाले गठबंधन में पार्टी जमात-ए-इस्लामी, छात्रों की पार्टी एनसीए और जातीय पार्टी शामिल हैं। इसका अर्थ यह है कि बीते चुनाव में बीएनपी को 25 से प्रतिशत मत ही मिले और इतने कम वोट से ही वह सत्ता संभालने जा रही है। इसका संदेश साफ है कि हसीना का 'वोट बैंक' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है। आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के खिलाफ बगावत के बीज उनके आखिरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है। शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक माँग कर सकती हैं। वैसे भी वे पहले यूनुस सरकार के खिलाफ लोगों से उठ खड़े होने की अपील कर चुकी हैं। साफ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष खत्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण. इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

सबके लिए एआई: प्रमुख घटकों को समझिए, चुनौतियों से निबटिये और अपेक्षित लाभ पाइए

कमलेश पांडे

'एआई सबके लिए' भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसे इंडियाअक मिशन के रूप में जाना जाता है। यह मिशन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) को समावेशी, सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से सभी के लिए सुलभ बनाने पर केंद्रित है। इस मिशन का लक्ष्य भारत में मजबूत अक कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना है, जो अक प्रणालियों के विकास, परीक्षण और तैनाती को समर्थन देगा। यह घरेलू अक तकनीकों को बढ़ावा देकर विदेशी निर्भरता कम करने, डेटा गुणवत्ता सुधारने और नैतिक अकप्रथाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर देता है। समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए अकलाभ सुनिश्चित करना इसका मूल सिद्धांत है।

इसके प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं:- पहला, कंप्यूटिंग क्षमता यानी हाई-एंड ऋद्धव क्लस्टर के माध्यम से अक मॉडल ट्रेनिंग को सक्षम बनाना। दूसरा, सामाजिक अनुप्रयोग यानी स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और शासन जैसे क्षेत्रों में अक-संचालित समाधान विकसित करना। और तीसरा, स्टार्टअप और नवाचार समर्थन यानी शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करना, उद्योग सहयोग बढ़ाना और स्टार्टअप्स को फंडिंग प्रदान करना। चतुर्थ, सामाजिक प्रभाव यानी यह मिशन अकको लोकतांत्रिक बनाकर 'अक ङ्क१ अ''' की अवधारणा को साकार करता है, ताकि यह नौकरियों को प्रभावित न करे बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को तेजी से प्राप्त करने में मदद करे। हालिया अकइम्पैक्ट समिट 2026 में भी इसकी समावेशी पहुंच पर जोर दिया गया।

इंडियाअक मिशन की प्रमुख चुनौतियां के बारे में जानिए

हालांकि इंडियाअक मिशन की प्रमुख चुनौतियां बुनियादी ढांचे, डेटा प्रबंधन और मानव संसाधन से जुड़ी हैं। ये चुनौतियां मिशन के समावेशी लक्ष्यों को प्राप्त करने में बाधा बन सकती हैं। इसकी राह की तकनीकी बाधाएं निम्नवत हैं:- सीमित ऋद्धव क्षमता और उच्च लागत अकमॉडल ट्रेनिंग को कठिन बनाती है, जबकि क्लाउड कंप्यूटिंग अवसंरचना की कमी तैनाती को प्रभावित करती है। डेटा गुणवत्ता और विविधता, खासकर इंडिक भाषाओं के लिए, अपर्याप्त है। ऊर्जा खपत भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि डेटा सेंटरों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

जहां तक नीतिगत व नियामक मुद्दे की बात है तो डेटा गोपनीयता कानूनों का अभाव व्यक्तिगत डेटा दुरुपयोग की चिंता बढ़ाता है, और भू-राजनीतिक प्रतिबंध ऋद्धव जैसे हार्डवेयर तक पहुंच सीमित करते हैं। डिजिटल डिवाइड ग्रामीण क्षेत्रों में अक पहुंच को रोकता है। नौकरी विस्थापन का खतरा इढड और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में है। वहीं मानव संसाधन की भी कमीहै। खासकर कुशल अकविशेषज्ञों की भारी कमी है, जहां केवल 11% कार्यबल उन्नत डिजिटल कौशल से लैस है। प्रशिक्षण अंतराल को पाटना समय लेगा। नैतिक अकउपयोग के लिए नियामक ढांचे की जरूरत है।

इंडियाअक मिशन के सम्मुख उपस्थित चुनौतियों का समाधान ऐसे कीजिए

लिहाजा इंडियाअकमिशन अपने सम्मुख उपस्थित चुनौतियों का समाधान संरचित घटकों और रणनीतियों के माध्यम से करेगा। यह तकनीकी, नीतिगत और मानव संसाधन संबंधी बाधाओं को दूर करने पर केंद्रित है।जहां तक तकनीकी समाधान की बात है तो जीपीयू क्षमता की कमी को 10,000+ जीपीयू वाले कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से दूर किया जाएगा, जिसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी शामिल है। जबकि डेटा गुणवत्ता के लिए इंडियाअक डेटासेट प्लेटफॉर्म गैर-व्यक्तिगत डेटा तक अबाधित पहुंच प्रदान करेगा, विशेष रूप से इंडिक भाषाओं पर फोकस के साथ। ऊर्जा खपत को नवीकरणीय स्रोतों और ऊर्जा-कुशल अक एल्गोरिदम से प्रबंधित करने की योजना है।

जहां तक इसके नीतिगत उपाय की बात है तो डेटा गोपनीयता और नियामक मुद्दों के लिए जिम्मेदार अक ढांचा विकसित किया जा रहा है, जिसमें दिशा-निर्देश और शासन शामिल हैं।

डिजिटल डिवाइड को टियर-2/3 शहरों में अकशिक्षा विस्तार से पाटा जाएगा, जबकि स्वदेशी मॉडल विकास विदेशी निर्भरता कम करेगा। नौकरी विस्थापन पर सामाजिक अनुप्रयोगों के जरिए स्वास्थ्य, कृषि जैसे क्षेत्रों में नए अवसर सृजित होंगे। वहीं, मानव संसाधन विकास के दृष्टिगत कौशल कमी को भविष्य कौशल पहल से दूर किया जाएगा, जिसमें अकप्रशिक्षण कार्यक्रम और स्टार्टअप फंडिंग शामिल है। शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने हेतु नवाचार केंद्र स्थापित होंगे, जिससे 11% डिजिटल कौशल अंतर को कम किया जा सकेगा।

इंडिया एआई मिशन से अपेक्षित आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े बहुआयामी लाभ

वास्तव में इंडियाअक मिशन से भारत को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी क्षेत्रों में बहुआयामी लाभ अपेक्षित हैं। यह मिशन अक को लोकतांत्रिक बनाकर समावेशी विकास को गति देगा। जहां तक आर्थिक लाभ की बात है तो यह मिशन स्वदेशी अक मॉडल विकसित कर विदेशी निर्भरता कम करेगा, जिससे स्टार्टअप्स को फंडिंग और कंप्यूटिंग संसाधन मिलेंगे। इससे अकइंडस्ट्री में रोजगार सृजन होगा और जीडीपी में योगदान बढ़ेगा, विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य और खुदरा क्षेत्रों में कार्यकुशलता सुधार के जरिए।

जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो स्वास्थ्य में पूवार्नुमानित निदान, कृषि में फसल प्रबंधन और शिक्षा में वैयक्तिकृत सीखने जैसे अनुप्रयोग जीवन स्तर सुधारेंगे। जबकि इंडिक भाषाओं पर आधारित डेटासेट से ग्रामीण और हाशिए वाले समुदायों को समान पहुंच मिलेगी।

वहीं तकनीकी प्रगति के तहत 10,000+ जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर से नवाचार केंद्र मजबूत होंगे, जिससे भारत वैश्विक अकनेतृत्व प्राप्त करेगा। क्योंकि जिम्मेदार अकढांचे से नैतिक उपयोग सुनिश्चित होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मोबाइल नंबर - +91 99990 74369

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

आम जनता का दमन कर रही भाजपा सरकार: रामकुमार तंवर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों के खिलाफ कल 17 फरवरी को लखनऊ में कांग्रेस पार्टी द्वारा मनरेगा बचाव संग्राम के तहत विधानसभा घेराव किया जाएगा। घेराव को असफल करने के नीयत से भाजपा सरकार पुलिस के बल पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं को गिरफ्तार करके जनहित के मुद्दों को उठाने वाली आवाज को दबाने का कार्य कर रही है। कांग्रेस पार्टी का हर एक कार्यकर्ता आम जनता की आवाज को उठाने के लिए आखिरी दम तक प्रयासरत रहेगा। इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए हम सबको मिलकर एक साथ आना होगा।

भारतीय जनता पार्टी के कुशासन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा 17 फरवरी को सुबह 11 बजे लखनऊ में विधानसभा घेराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकताओं के बीच तैयारियाँ तेज हो गई हैं।

नोएडा महानगर कांग्रेस निवर्तमान अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों से आम जनता त्रस्त है।युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, किसान लागत और कर्ज.के बोझ से दबे हैं तथा महिलाओं की सुरक्षा पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की निर्णायक लड़ाई है।

उन्होंने बताया कि विधानसभा घेराव के माध्यम से अहंकारी सत्ता को यह स्पष्ट संदेश दिया जाएगा कि जनता जाग चुकी है और अब अन्याय को और सहन नहीं किया जाएगा। इस आंदोलन के जरिये राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा के हाथों को मजबूत किया जाएगा।

साथ ही राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, राष्ट्रीय सचिव प्रभारी धीरज गुर्जर व प्रदीप नरवाल तथा प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में चल रहे संघर्ष के कारवां को और गति दी जाएगी।उन्होंने नोएडा के समस्त कांग्रेसजनों एवं जनमानस से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुँचकर इस ऐतिहासिक विधानसभा घेराव को सफल बनाएं।

ब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शो नोएडा में 22 फरवरी तक

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। फेमस ज्वैलर जोयआलुक्कास नें अपने नोएडा शोरूम में ब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शो का शुभारंभ किया है। यह प्रदर्शनी शानदार दुल्हन के आभूषणों से लेकर रोजमर्रा के पहनने के लिए परिष्कृत समकालीन डिजाइनों तक की एक उत्कृष्ट श्रृंखला पेश करती है, जो कालातीत शिल्प कौशल और आधुनिक संवेदनशीलता को एक साथ लाती है। प्रत्येक रचना असाधारण विवरण और डिजाइन उत्कृष्टता को दशार्ती है, जो शो के दौरान केवल सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है। इस अवसर पर बोलते हुए, जोयआलुक्कास ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. जोय आलुक्कास ने कहा कि ब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शो उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और ऐसे आभूषण बनाने के हमारे जुनून का जश्न मनाता है। जो लालित्य और व्यक्तित्व के साथ मेल खाते हैं। नोएडा हमेशा हमारे लिए खास रहा है, और हम अपने ग्राहकों को यह विशेष संग्रह प्रस्तुत करने में प्रसन्न हैं। उन्हें हीरे को उनके सबसे शानदार रूप में अनुभव करने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रदर्शनी के आकर्षण को बढ़ाते हुए, ग्राहकों को शो की अवधि के दौरान 1 लाख और उससे अधिक मूल्य के हीरे के आभूषणों की प्रत्येक खरीद पर एक मुफ्त सोने का सिक्का मिलेगा। ब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शो विशेष रूप से जोयआलुक्कास नोएडा शोरूम में 22 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

यूपी बिहार सीमा पर बने स्वागत द्वार का स्लोगन टूटा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। नगवां ब्लॉक के यूपी बिहार सीमा पर बने स्वागत द्वार का स्लोगन टूट गया है, जो आने-जाने वाले राहगीरों के लिए हंसी का विषय बना हुआ है। लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के कारण यह समस्या बरकरार है। जेई ने बरसात के बाद स्लोगन लगाने का आश्वासन दिया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी से संबंधित विभाग को तत्काल स्लोगन लगाने के निर्देश देने की मांग की है।

पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में लगाया गया मेडिकल कैम्प, 309 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-50 स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में फेलिक्स हॉस्पिटल की ओर से विश्व जैन संगठन नोएडा की ओर से एक मेगा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में सामान्य रोग जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर टेस्ट, दंत परीक्षण एवं नेत्र जांच जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।शिविर में सैकड़ों लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाते हुए 309 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। कार्यक्रम में फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता, विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन, उद्योगपति दिनेश जैन (यू फ्लेक्स), सीए प्रदीप जैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। समय-समय पर इस प्रकार के मेडिकल कैम्प आयोजित किए जाने चाहिए ताकि आमजन को प्रारंभिक जांच और परामर्श आसानी से उपलब्ध हो सके। हमारी टीम का प्रयास रहता है कि समाज के हर वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। विश्व जैन संगठन द्वारा किया गया यह आयोजन सराहनीय है और भविष्य में भी हम ऐसे सामाजिक कार्यों में सहयोग देते रहेंगे। संगठन के सचिव दिनेश जैन (दृष्टि) ने कहा कि समाजहित में भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। मेगा मेडिकल कैम्प को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखने को मिला और इसे सामाजिक समरसता व सेवा भावना का सशक्त उदाहरण बताया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विश्व जैन संगठन द्वारा किया गया।कार्यक्रम के अंत में संगठन की ओर से सभी सहयोगी संस्थाओं, चिकित्सकों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया गया। जिसमें फेलिक्स हॉस्पिटल, आईटीएस डेंटल हॉस्पिटल तथा सेंटर फॉर साइट की विशेषज्ञ टीमों ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर प्रदीप जैन, राहुल जैन, मीनू जैन, गौरव जैन, एचके जैन व अंशुल जैन समेत अन्य मौजूद रहे।

दीदी की रसोई को भोजन वितरित करने के लिए नया वाहन मिला

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। दीदी की रसोई की संचालिका अध्यक्ष रितु सिंह ने बताया कि उनकी संस्था गरीब असहाय लोगों को भोजन वितरित करती है, जिसके लिये दीदी की रसोई ट्रस्ट को भोजन वितरण हेतु एक वाहन प्राप्त हुआ है।उन्होंने बताया की एक अत्यंत सम्मानित और जानी-मानी हस्ती ने शिवरात्रि के पावन अवसर पर यह वाहन ट्रस्ट को भेंट स्वरूप प्रदान किया है।

उनके इस महान सहयोग के लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं। उनका नाम मै इसलिए प्रकट नहीं कर रही हूँ, क्योंकि कई बार लोग व्यक्तियों के नाम से जुड़कर सेवा के मूल उद्देश्य से दूर हो जाते हैं। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण सेवा है, नाम नहीं। अब तक हमें कई स्थानों पर भोजन पहुँचाने के लिए रिक्शा का सहारा लेना पड़ता था, जिससे समय और सुविधा दोनों में कठिनाई होती थी। इस वाहन के माध्यम से अब समय पर और अधिक स्थानों तक भोजन पहुँचाया जा सकेगा। इससे जरूरतमंद बच्चों और परिवारों तक सहायता पहुँचाने में बहुत सुविधा होगी।

सेक्टर 34 में महाशिवरात्रि पर सामूहिक रुद्राभिषेक, वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ संपन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार शाम सेक्टर 34 के कम्युनिटी सेंटर परिसर में सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन प्रारंभ हुआ जो सोमवार सांय तक 8 प्रहर 24 घंटे पूर्ण होने के पश्चात विराम होगा। आरडब्ल्यूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि रुद्रांश संस्था के तत्वावधान में इस बार महाशिवरात्रि बड़े स्तर पर आयोजित की जा रही है इस कार्यक्रम में 151 श्रद्धालु परिवार भाग ले रहे हैं और यह अनुष्ठान महाशिवरात्रि के दिन में 3 बजे शुरू होकर कल सोमवार को दोपहर 3 बजे संपन्न होगा।

सभी श्रद्धालु परिवार वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर रहे हैं। सुबह से ही कम्युनिटी सेंटर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। रुद्राभिषेक का आरंभ ब्राह्मणों के वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ। अनुभवी आचार्यों ने इस अनुष्ठान को विधिवत संपन्न करवा रहे हैं इस दौरान ओम नमः शिवाय और हर हर महादेव के जयघोषों से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में आस्था, भक्ति और अनुशासन का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। प्रत्येक श्रद्धालु ने अपने परिवार के साथ भोलेनाथ की आराधना में हिस्सा लिया। जोड़ों ने शिवलिंग पर दूध, जल, पंचामृत, बेलपत्र, भांग और धतूरा आदि अर्पित कर मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में रुद्रांश संस्था एव श्री जगन्नाथ सेवा संघ के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरक्षा व्यवस्था, पूजा सामग्री की उपलब्धता, बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल और प्रसाद वितरण की योजनाबद्ध तरीके से व्यवस्था की गई थी।आयोजन से जुड़े आचार्यों ने बताया कि प्रत्येक महाशिवरात्रि पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करना उनका संकल्प है। उनका मानना है कि इससे समाज में धर्म, एकता और संस्कारों की भावना को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

नई गाड़ी लेने गए, पुरानी बाइक में लगी आग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के उरमौरा फ्लाईओवर के पास सोमवार शाम करीब 4 बजे एक खड़ी बाइक में अचानक आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार चतरा ब्लॉक के सुंदरम चतरा निवासी युवक अपनी पल्सर बाइक से नई गाड़ी लेने मारुति सुजुकी के शोरूम रॉबर्ट्सगंज आए थे। शोरूम के पास पहुंचकर उन्होंने अपनी बाइक बाहर खड़ी कर दी और अंदर चले गए।

इसी दौरान आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें सूचना दी कि उनकी बाइक में आग लग गई है। सूचना मिलते ही वह शोरूम से बाहर आए तो देखा कि बाइक धू-धू कर जल रही थी। बताया जा रहा है कि बाइक में अचानक आग लगने का कारण संभवतः स्पार्किंग हो सकता है।

सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

शिवा बजाज एजेंसी पर किसानों का प्रदर्शन, अधिक कीमत वसूलने का आरोप

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा के लोगों को गुमराह करके उनसे अधिक कीमत वसूलने को लेकर ऑटो यूनियन व भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने सेक्टर 63 स्थित शिवा बजाज एजेंसी पर जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप हैं कि शिवा बजाज एजेंसी सीएनजी ऑटो पर बिलिंग से 30000 रुपया अधिक ले रहा हैं। परिवहन मंत्री किसान यूनियन के चौधरी ओमप्रकाश गुर्जर ने कहा कि यूपी में एक ही कोड पर डीलर आराम से बिलिंग कर सकता है लेकिन अपने निजी लाभ के लिए शिवा बजाज एजेंसी ऐसा नहीं कर रहा हैं।

ताकि लोग मजबूरी में महंगी गाड़ी खरीदे लेकिन ऐसा हम किसी भी कीमत पर नहीं होने देंगे। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर मे किसी भी डीलर को लोगों को लूटने नहीं दिया जाएगा। शिवा बजाज हो या कोई अन्य डीलर हो उसको कायदे में रहना होगा जो भी डीलर गड़बड़ी करने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ आंदोलन किया जायेगा और उनकी डीलरशिप को भी रद्द करवाया जायेगा।

इस दौरान धरने में पहुंचे एसीपी उमेश कुमार, एसअचओ पुनीत सिंह ने तत्परता दिखाते हुए शिवा बजाज एजेंसी के मालिक व जीएम से बात करके 18 फरवरी को वार्ता का समय निश्चित किया जिसके बाद उनके कहने पर धरने को स्थगित किया गया।

धरने में मुख्य रुप से ठाकुर सुधीर, महेश तंवर, हरेन्द्र बैसोया, धनंजय शाह, अरुण दादा, नरेंद्र पाल, पाल बघेल, अतुल तिवारी, मिट्ठू दादा, संजय दादा, संदीप, लाल पाल, भूरा पाल, मनोज यादव, छोटन, पवन पंडित, पप्पू फौजी, गवर्नर, विशाल, साहिल, मनजीत, चंचल, वीपी सिंह, मनु शर्मा, हरिअवाना, बबली, नीरज, गोविंद, अरुण गौतम, दीपक, विकास आदि मौजूद रहे।

नोएडा में 14 स्थानों पर भव्य हिन्दू सम्मलेन का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष पर नोएडा में लगभग 100 हिन्दू सम्मलेन हो रहे है। इसी श्रंखला में नोएडा में 14 हिन्दू सम्मलेन का आयोजन हुआ। सम्मेलनों का उद्देश्य हिंदू समाज में संगठन, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा।

सेक्टर 75-76 के द्वारा आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथा वाचक अतुल कृष्ण जी महाराज ने हिन्दू दर्शन एवं सनातन चिंतन को सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम सिंह ने संघ की सौ वर्षों की गौरवशाली यात्रा एवं पंच परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेरक प्रकाश डाला।

सुश्री ईशिका तनेजा ने परिवार प्रबोधन के माध्यम से संस्कार, एकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का सुंदर संदेश दिया। सेक्टर के अलग अलग सोसाइटी के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सेक्टर 16 में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि दिवाकर कृष्ण शास्त्री ने बताया कि जाति पाति छुआछूत का जो माथे पर कलंक है हमेशा के लिए धोकर हिंदू हिंदू एक होना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गिरीश नोएडा महानगर बौद्धिक प्रमुख ने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विस्तार से बताया विद्या भारती अपना पहला विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर 1952 में गोरखपुर में शुरू किया आज जो पूरे देश के अंदर शिक्षा देने का काम कर रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सरकारी अस्पताल की जरुरत: नरेश नौटियाल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। हिमालय प्राइड सोसायटी और आसपास के इलाकों में महा शिवरात्रि के दिन कुट्टू का आटा खाने के बाद कई लोगों के बीमार होने की खबर सामने आई है। घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल है।जानकारी के मुताबिक, नुमैड हॉस्पिटल में 15 से 45 लोगों को इलाज के लिए लाया गया। इसके अलावा कैलाश हॉस्पिटल समेत अन्य अस्पतालों में भी इसी तरह के मरीज पहुंचे हैं। बीमार लोगों में सांस लेने में तकलीफ, उल्टी, चक्कर आना और अचानक तबीयत बिगड़ने जैसे लक्षण देखे गए हैं। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी ने कुट्टू का आटा खाया है और ऐसे लक्षण दिख रहे हैं तो तुरंत अस्पताल पहुंचें।समाजसेवी नरेश नौटियाल ने कहा कि इतनी कम संख्या में मरीज आने के बावजूद एक निजी अस्पताल को संभालने में दिक्कत हुई। उन्होंने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सरकारी अस्पताल की जरूरत दोहराई और कहा कि आपात स्थिति में बड़े सरकारी अस्पताल ही बड़ी संख्या में मरीजों का बेहतर इलाज कर सकते हैं।

संतुष्टि सेवा फाउंडेशन द्वारा समाजसेवियों का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष, अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी संजय गोयल, जो सदैव समाज सेवा के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहते हैं, तथा दीदी की रसोई की संस्थापक एवं अध्यक्ष, प्रमुख महिला समाजसेवी रितु सिंह, जिनके द्वारा प्रतिदिन निशुल्क भोजन प्रसाद का वितरण किया जाता है, के जन्मदिवस पर संतुष्टि सेवा फाउंडेशन की पूरी टीम उनके निवास पर पहुंची। टीम ने अंगवस्त्र भेंट कर, केक काटकर एवं आत्मीय शुभकामना देकर हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष नवीन पोरवाल, उपाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र पोरवाल, सचिव उदय सिंह, मीडिया प्रभारी अनूप सिंह चौहान, मोहिनी पोरवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने दोनों समाजसेवियों के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर समाज सेवा के लिए शुभकामना दीं तथा उनके द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। फाउंडेशन के अध्यक्ष नवीन पोरवाल ने कहा कि ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा स्तंभ हैं, जो निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में निरंतर लगे हुए हैं। उनके कार्य न केवल जरूरतमंदों के जीवन में आशा का प्रकाश जगाते हैं, बल्कि हम सभी को सेवा, करुणा और सहयोग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देते हैं।

लर्निंग फ्रॉम लीजेंड्स एवं बीकमिंग बेटर का ऑनलाइन सत्र आयोजित

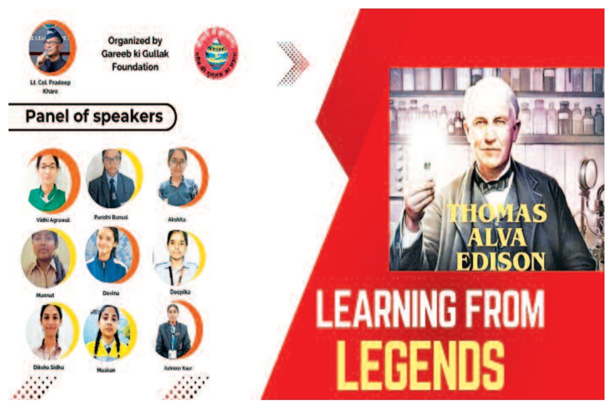

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। देश के छात्रों में नेतृत्व के गुण विकसित करने और उनकी संचार और जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए ऑनलाइन सत्र (जूम मीटिंग द्वारा) लर्निंग फ्रॉम लीजेंड्स एवं बीकमिंग बेटर हर माह आयोजित किया जाता है। लर्निंग फ्रॉम लीजेंड श्रृंखला सत्र के दो मुख्य उद्देश्य हैं, पहला युवाओं में नेतृत्व के गुण विकसित करना और दूसरा उन्हें इस मंच पर बोलने का अवसर देना ताकि उनके सार्वजनिक भाषण कौशल को निखारा जा सके। बीकमिंग बेटर सत्र का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। फरवरी मे लर्निंग फ्रॉम लीजेंड्स श्रृंखला के अंतर्गत थॉमस अल्वा एडिसन की नेतृत्व शैली पर चर्चा की गई, जिसमें लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप खरे की अध्यक्षता में विभिन्न शहरों से आठ चुने हुए विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन विधि अग्रवाल ने किया। वे बीबी सुरिदर कौर बादल मालवा स्कूल पंजाब में नवमी कक्षा की छात्रा हैं।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं पंजाब के चुनिंदा विद्यार्थियों ने वक्ता के रूप में भाग लिया। सत्र के सबसे प्रभावशाली वक्ता दीक्षा सिद्धू को चुना गया, जो दयानंद मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल जालंधर पंजाब में 11वीं कक्षा की छात्रा हैं। इनको मुकेश भटनागर द्वारा लिखित पुस्तक मां शब्द से परे भेंट की गई। कार्यक्रम का समापन सभी वक्ताओं को भागीदारी के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र देकर किया गया।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन गया है उत्तर प्रदेश: योगी

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सीएम योगी ने प्रस्तुत की प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति की तस्वीर

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति की तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने राजस्व अनुशासन, किसानों की आय वृद्धि और कृषि क्षेत्र में तकनीकी बदलावों को सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। कहा कि बिना अतिरिक्त कर लगाए टैक्स चोरी पर अंकुश और विकास के संतुलित मॉडल से प्रदेश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी मात्र 13 लाख करोड़ रुपये थी। 1947 से लेकर 2017 तक इस यात्रा को तय करने में 70 वर्ष लगे। 2017 के बाद मात्र आठ से साढ़े आठ वर्ष के बीच में डबल इंजन सरकार ने इसमें 23 लाख करोड़ अतिरिक्त जोड़े हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 36 लाख करोड़ की हो चुकी है। जब देश आजाद हुआ था, यूपी का शेयर 14 प्रतिशत था। लगातार घटते-घटते 2016-17 में यह आठ प्रतिशत रह गया। अब लगातार आगे बढ़ते हुए 9.5 प्रतिशत तक पहुंचने में सफलता प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर कैपिटा इनकम को तीन गुना करने में सफलता मिली है। इसके लिए जनता जनार्दन पर कोई अतिरिक्त टैक्स नहीं लगाया। हमने टैक्स चोरी को जरूर रोका है। रेवेन्यू लीकेज पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया।

आज प्रदेश पिछले पांच वर्षों में लगातार रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में अपने आप को स्थापित कर चुका है। जोरदार वित्तीय अनुशासन और विकास दोनों का संतुलन आज उत्तर प्रदेश के अंदर देखने को मिल रहा है।

सीएम ने कहाकि बैंकों में पहले उत्तर प्रदेश के अंदर 100 रुपए जमा होते थे जो मात्र 43 रुपये जनता के उपयोग में खर्च होते थे। हमने इसे बढ़ाकर 61-62 रुपये तक पहुंचा दिया है। उत्तर प्रदेश के नौजवानों और व्यापारियों तक इसके उपयोग को पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है।

यानी सीडी रेशियो 43 से बढ़कर 62 प्रतिशत पहुंचाने में हमने सफलता प्राप्त की है। मुझे इस बात का गर्व है कि उत्तर प्रदेश आज सही दिशा में बेहतरीन ढंग से आगे बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश करता है सबसे ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन

सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष के लोग भी गाहे-बगाहे अन्नदाता की चर्चा करते हैं, लेकिन नीयत उनकी साफ नहीं है।उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य भी है। सबसे ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन भी करता है लेकिन अन्नदाता किसानों की स्थिति उनके समय में क्या थी। इन्होंने कहां पहुंचा दिया था? भारत आज से 2000 वर्ष पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था का सिरमौर था। 44 प्रतिशत वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारत का अधिकार था। वह भारत का स्वर्ण युग था। आज से 400 वर्ष पहले भी भारत की स्थिति यही थी और ग्लोबल इकॉनामी में भारत का शेयर 24-25 प्रतिशत था।

किसानों के साथ पिछली सरकारों में औपनिवेशिक मानसिकता का व्यवहार हुआ

सीएम योगी ने कहा कि औपनिवेशिक काल में यहां शोषण हुआ, लूट हुई, परंपरागत उद्यम समाप्त किए गए। अन्नदाता किसानों को, जो पहले उत्पादक था, उसे उपभोक्ता बनाकर रख दिया गया। कच्चा माल यहां से बाहर जाता था, फिर पक्का माल बनकर आता था और उस पर भारी टैक्स लगाकर महंगा बेचा जाता था। आज हम कह सकते हैं कि पिछली सरकारों में भी औपनिवेशिक मानसिकता के साथ अन्नदाता किसानों, एमएसएमई सेक्टर और परंपरागत उद्यम से जुड़े कारीगरों के साथ यही व्यवहार हुआ।

किसानों के श्रम और कारीगरों की सृजनशीलता से यह देश खड़ा हुआ

आज पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान, कारीगर सभी को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया गया है। हम मानते हैं कि किसानों के श्रम और कारीगरों की सृजनशीलता से यह देश खड़ा हुआ है।

हर गांव हमारे यहां एक आधारभूत इकाई हुआ करता था। ग्राम स्वराज इसकी आधारशिला थी। चाहे पशुपालन हो, कृषि हो, हस्तशिल्प हो हर क्षेत्र में किसान उत्पादक था, कारीगर स्वयं में उद्यमी था और व्यापारी राष्ट्र को जोड़ने का सेतु हुआ करता था।

डबल इंजन की डबल स्पीड लागत कम, उत्पादन ज्यादा

2017 के पहले कृषि के बारे में कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। अन्नदाता केवल वोट बैंक बन गया था। लागत अधिक, उत्पादन कम था और बिचौलियों का वर्चस्व था। 2017 के बाद डबल इंजन की डबल स्पीड से लागत कम, उत्पादन ज्यादा अन्नदाता को विकास में भागीदार बनाया गया। अन्नदाता से उद्यमी बनने की कहानी आज उत्तर प्रदेश में देखी जा सकती है।

भूभाग का 11 प्रतिशत यूपी के पास लेकिन 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन

हमारा संकल्प कृषि को इनकम-बेस्ड और वैल्यू एडिशन मॉडल के साथ किसानों की आय बढ़ाना है। आज उत्तर प्रदेश में कृषि विकास दर 8.5 से बढ़कर साढ़े 18 प्रतिशत तक पहुंची है।एमएसपी पर पारदर्शी खरीद हो रही है और डीबीटी का पैसा सीधे अन्नदाता किसानों के खाते में जा रहा है।इसी का परिणाम है कि देश के कुल कृषि भूभाग का 11 प्रतिशत यूपी के पास है, लेकिन 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है। अन्नदाता को खेत से बाजार तक ग्लोबल मार्केट उपलब्ध है।

किसानों को खेती संबंधी तकनीकी जानकारी सरल भाषा में

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में भी उत्तर प्रदेश के किसानों को 95 हजार करोड़ रुपये की धनराशि उनके खाते में हस्तांतरित हुई है। आज अन्नदाता किसानों को उन्नत बीज, प्राकृतिक खेती, ड्रोन और जलवायु संबंधी तकनीकी जानकारी सरल भाषा में पहुंचाई जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों, स्टार्टअप और प्रगतिशील किसानों के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

कृषि आधारित उद्योगों की गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान

ड्रोन दीदी, एफपीओ, एग्री स्टार्टअप और फूड प्रोसेसिंग के माध्यम से फसलों का मूल्यवर्धन हो रहा है। यूपी एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड एंटरप्राइज इकोसिस्टमह्व परियोजना के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि आधारित उद्योगों की गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पहले धड़ल्ले से चलते थे स्लॉटर हाउस

2017 के पहले प्रदेश में स्लॉटर हाउस धड़ल्ले से चलते थे। व्यापक तस्करी होती थी और आस्था के साथ खिलवाड़ होता था।

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गोहत्या को लेकर कठोर कानून बनाए गए और गोतस्करी पर रोक लगी। आज 7,727 गो आश्रय स्थल प्रदेश में संचालित हैं जिनमें 16 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। प्राकृतिक खेती को भी इसके माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य है और मत्स्य उत्पादन में भी दोगुनी से अधिक वृद्धि हुई है।

गन्ना किसानों रिकॉर्ड भुगतान

सीएम योगी ने कहा कि गन्ना किसानों की चर्चा अक्सर सदन में होती है। आज देश के कुल गन्ना उत्पादन का 55 प्रतिशत प्रदेश का किसान करता है।

सन 2000 से 2017 के बीच ₹2,14,000 करोड़ का भुगतान हुआ था, जबकि पिछले साढ़े आठ वर्षों में ₹3,06,000 करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है।यानी आधे समय में ₹90,000 करोड़ अधिक भुगतान।

कांग्रेस मुक्त हुई विधान परिषद, सपा ऐसा कार्य न करे कि विधानभवन मुक्त होना पड़े: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधान परिषद में कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के नेताओं को खूब धोया। सीएम ने विधान परिषद की मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी के सदस्यों से कहा कि कांग्रेस से सबक ले लीजिए। कांग्रेस विधान परिषद विहीन हो गई है। यदि सपा को भी विधानसभा व परिषद विहीन होना है तो अनर्गल प्रलाप और महापुरुषों का अपमान करे। अन्यथा ऐसा आचरण न करें, जो समाज में विद्वेष की स्थिति पैदा करता है। सीएम ने विपक्षी दलों के सदस्यों से अनुरोध किया कि यूपी की नई पहचान को संकट में मत डालिए। प्रदेश के विकास की यात्रा के साथ बढ़ने के लिए जिम्मेदार विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे तो प्रदेश की जनता आपको सम्मानित करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सभी सेक्टर में अच्छी सफलता प्राप्त हुई है।प्रदेश और देश में जब टीमवर्क से काम होता है, तब परिणाम आता है। आज हर तबके (गांव, गरीब, युवा, महिला, किसान, हस्तशिल्पी) के मन में विश्वास है और यह विश्वास हर सेक्टर में दिख रहा है। आज यूपी में कानून का राज, अपराधी भयभीत, गरीब को सम्मान, किसान खुशहाल, महिलाओं को सुरक्षा की गारंटी, युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर, हर गांव में बिजली और हर हृदय में गर्व है। यूपी फिर से रामराज्य की आधारभूमि के रूप में नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने जनकल्याण, रोजगार सृजन, निवेश विस्तार के साथ ही सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से सशक्त, सुरक्षित व समृद्ध प्रदेश के रूप में अपनी नई पहचान को बनाया है।हमारा लक्ष्य प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप 2029-30 में यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के रूप में स्थापित करना है।हमने बजट भी उस दिशा में ही प्रस्तुत किया है। सीएम योगी ने कहा कि बजट के बारे में समाजवादी पार्टी अच्छा नहीं बोल पाई, क्योंकि अच्छा करने के लिए उनके पास समय नहीं है। उन्होंने न अच्छा किया और न ही अच्छा बोलेंगे।हमारी सरकार ने डबल इंजन सरकार का लाभ लेते हुए पूरी मजबूती के साथ प्रदेश में प्रधानमंत्री के विजन को बढ़ाया है। सीएम ने कहाकि बहुत सारे सेक्टर हैं, जिसमें यह लोग गुमराह कर रहे हैं। सीएम ने संवैधानिक संस्थाओं के प्रति विपक्षी दलों के भाव की निंदा की। बोले कि समाजवादी पार्टी के नेता बयानों से जातीय संघर्षों को बढ़ावा देते हैं। समाज को आपस में लड़ाने, आस्था का अपमान, गुंडागर्दी व अराजकता को बढ़ाने के साथ संवैधानिक मूल्य पर भी प्रहार करने में नहीं चूक रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेक चुराकर पैसा निकालने वाले पर केस दर्ज

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र के वरुण गार्डन के रहने वाले डाक्टर राशिद परवेज साकेत नगर लंका में रहते है ।इनका लाइफ फामेर्सी नाम से आर्दली बाजार में एचडीएफसी बैंक में खाता है ।चेक खत्म होने पर चेक के लिए बैंक में आवेदन किया गया है। जिसके बाद बीते अक्टूबर में ब्लू डार्ट कंपनी का कर्मचारी ने चेक बुक दिया था। चेक देते समय आरोपी संजय कांतूराम राय निवासी नायर स्टेट नेताजी नगर शांति सेवा संघ 90 फीट रोड हनुमान मंदिर कुर्ला पश्चिम नवी मुंबई महाराष्ट्र हालपता मंगलपुर लोहता के खिलाफ लंका थाना में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी ने चेक चुराने के बाद प्रधान डाकघर में खाता खोला था। खाता खोलने के बाद बैंक के कर्मचारियों की मिली भगत करके बीते 12 नवबर को एक लाख नब्बे हजार रुपए और 15 नवबर को एक लाख पैंसठ हजार रुपए निकाल लिया था। राशिद परवेज का आरोप है कि दोनों चेकों पर उनका हस्ताक्षर और फर्म का मुहर नहीं लगा था। जिसके बाद भी बैंक कर्मियों की मिली भगत से आरोपी ने 355000 रुपए निकाल लिया था। मामले की जानकारी होने पर राशिद के पता करने पर मामले की सच्चाई का पता चला है। पुलिस ने आरोपी संजय कांतूराम राय और अज्ञात में बैंक कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बिना लाइसेंस दुकान व भ्रामक पंजीकरण पर निर्माण इकाई की सील, खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु किए संग्रहित

गौतमबुद्धनगर। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में कुट्टू का आटा खाकर लोगों के बीमार होने की घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा प्रभावित लोगों की जानकारी प्राप्त की गयी। कुट्टू का आटा (ल ढ4 ी इ1ल्ली) के सेवन से बीमार होने तथा आटा खरीदने वाली दुकान की जानकारी प्राप्त करके इको विलेज 3 सुपर टेक ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित विकास जनरल स्टोर से कुट्टू का आटा का 01 नमूना, हिमालयन प्राइड ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अपना स्टोर से कुट्टू का आटा का 01 नमूना तथा रॉयल कोर्ट ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित प्रशांत स्टोर से कुट्टू का आटा का 01 नमूना लिया गया तथा इस स्टोर का खाद्य लाइसेंस/ पंजीकरण नहीं पाए जाने पर सील किया गया। उक्त दुकानदारों से सप्लायर/ निमार्ता की जानकारी प्राप्त करके चिपयाना बुजुर्ग स्थित उक्त ब्रांड के निमार्ता ल ऊरस्त्री2 का निरीक्षण किया गया, मौके पर कुट्टू आटा अथवा कुट्टू गिरी नहीं पाई गई किंतु हल्दी पाउडर व मिर्च पाउडर पाया गया, जिसके 1–1 नमूना लिए गये। उक्त इकाई के संचालनकर्ता विश्वेन्द्र सिंह द्वारा उक्त आटा सप्लाई किये जाने की स्वीकारोक्ति की गई। निर्माण इकाई खसरा न 507 में स्थित पाई गई, जोकि जनपद गौतमबुद्धनगर के अंतर्गत आता है, जबकि उसके द्वारा भ्रामक सूचना देकर जनपद गाजियाबाद से खाद्य पंजीकरण प्राप्त करके व्यवसाय किया जा रहा था, इस कारण उसे सील कर दिया गया। नमूना जांच के लिए भेजे गए हैं। इस प्रकरण में विभाग द्वारा थाना बिसरख में तहरीर भी दी गई है।

उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 में सुनवाई प्रक्रिया तेज

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम–2026 के अंतर्गत मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने की कार्यवाही निरंतर जारी है।
मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 6 जनवरी, 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में नो मैपिंग से संबंधित 1 करोड़ 04 लाख मतदाता तथा तार्किक विसंगतियों से संबंधित 2 करोड़ 22 लाख मतदाता सहित कुल 3 करोड़ 26 लाख मतदाताओं को नोटिस निर्गत किया जाना है। जिसके क्रम में अब तक कुल 3 करोड़ 23 लाख नोटिस निर्गत किये जा चुके हैं। निर्गत किये गये नोटिसों में से लगभग 1 करोड़ 58 लाख से अधिक नोटिस संबंधित मतदाताओं को बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा प्राप्त कराये जा चुके हैं। मतदाताओं को प्राप्त कराये गये नोटिसों में से अब तक लगभग 90 लाख नोटिसों पर अधिसूचित अधिकारियों द्वारा सुनवायी भी की जा चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने एवं मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रदेश में नोटिसों की सुनवायी हेतु कुल 13 हजार 161 अधिकारी नियुक्त है।

जनपद स्तर पर समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने की नागरिकों से अपील, जनपद स्तर पर अवश्य शिकायत करें

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने यहां आए हर फरियादी से स्वयं मुलाकात की, उनकी समस्याओं को सुना और निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अनुरोध किया कि लखनऊ आने से पहले अपनी समस्याओं को लेकर जनपद व मंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों से जरूर मुलाकात करें। वहां भी हर अधिकारी आमजनों की समस्याओं के उचित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किन्हीं कारणों से वहां समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा हो, तो अवश्य लखनऊ आएं। सीएम योगी ने कहा कि हर परेशान व्यक्ति की समस्या का निदान सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी हर हाल में जनपद स्तर पर ही पीड़ितों की समस्याओं का निस्तारण करें।

उद्यमियों की समस्याओं पर मुख्यमंत्री सख्त, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान कुछ उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने हर एक प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं जिला प्रशासन को तत्काल और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है और सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। यदि किसी उद्यमी को किसी भी स्तर पर परेशानी होती है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्राइमरी विद्यालयों में फिजिकल एजुकेशन अनिवार्य करने की मांग पर सकारात्मक संकेत

'जनता दर्शन' कार्यक्रम में एक नागरिक ने बेसिक शिक्षा परिषद के सभी प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों को अनिवार्य किए जाने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने इस सुझाव को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल और शारीरिक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही अवैध कब्जों और पुलिस से जुड़े मामलों में भी अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मन लगाकर पढ़ो, खूब खेलो और खिलते रहो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को देखकर उनका हालचाल जाना और हंसी ठिठोली भी की। मुख्यमंत्री ने बच्चों से पूछा कि किस क्लास में पढ़ते हो।

बच्चों ने भी मुख्यमंत्री के प्रश्नों का उत्तर दिया, फिर सीएम योगी ने सभी बच्चों से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करो। खूब खेलो और खेलकर खिलते रहो। सीएम ने बच्चों को चॉकलेट दी और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया।

'फियर जोन' से 'फेथ जोन' में परिवर्तित हुआ है उत्तर प्रदेश : मुख्यमंत्री

न कर्फ्यू है, न दंगा है बल्कि यूपी में सब चंगा है: योगी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण पर सोमवार को विधान परिषद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए सदन में राज्यपाल के प्रति अभद्र और अशिष्ट व्यवहार करने पर विपक्ष को जमकर लताड़ लगाई। साथ ही प्रभावी कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि न कर्फ्यू है, न दंगा है, बल्कि यूपी में सब चंगा है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल प्रदेश का संवैधानिक प्रमुख होता है। इसके बावजूद राज्यपाल पर प्रतिपक्ष द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। यह न केवल लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े सभी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के भी दायरे में आता है। यह हम सबका दायित्व बनता है कि हम अपने राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करें। साथ ही संविधान की व्यवस्था के तहत संवैधानिक प्रमुखों के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें। उनके प्रति कोई ऐसा आचरण न करें, जो आचरण देश की भावी पीढ़ी को गलत दिशा की ओर अग्रसर करे, लेकिन प्रतिपक्ष से इसकी अपेक्षा करना व्यर्थ है।

प्रदेश की जनता को पहले ही मिलना चाहिये था कानून का राज

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्यपाल एक अनुभवी राजनेता होने के साथ आज प्रदेश सरकार की संवैधानिक प्रमुख के रूप में अपना मार्गदर्शन और नेतृत्व सभी को प्रदान कर रही हैं।उनके प्रति अभद्र व्यवहार समाजवादी पार्टी की वास्तविक सोच और प्रतिपक्ष की नकारात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। पिछले नौ वर्ष में प्रदेश ने एक अपनी यात्रा तय की है। यह यात्रा अपराध और अव्यवस्था से अनुशासन, कर्फ्यू से कानून के राज, उपद्रव से उत्सव की यात्रा, समस्या से समाधान और अविश्वास से आत्मविश्वास की यात्रा है। इस यात्रा को देश और दुनिया स्वीकार करती है। वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है। यह अधिकार प्रदेश की 25 करोड़ जनता को पहले ही मिलना चाहिये था लेकिन अपने संकुचित एजेंडे को लेकर चलने वाली सरकारों ने प्रदेश के भविष्य और जनता जनार्दन के साथ खिलवाड़ किया। उनके सामने पहचान का संकट खड़ा किया। प्रदेश को अराजकता, अव्यवस्था, अपराध का एक गढ़ बना दिया। इस दौरान कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। उत्तर प्रदेश को भारत के शाश्वत मूल्यों की आधारभूमि माना जाता है, उसमें किस प्रकार की अव्यवस्था थी, यह हम सबने देखा है। वहीं डबल इंजन सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नीयत, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता से आज उत्तर प्रदेश ने बॉटलनेक से देश की अर्थव्यवस्था का ब्रेकथॉट बनाने में सफलता प्राप्त की है।

दुनिया के सामने टेक्नोलॉजी, भरोसे और परिवर्तन के समन्वित मॉडल के रूप में उभरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यूपी रेवन्यू सरप्लस और उत्सव प्रदेश के रूप में अपनी यात्रा को लेकर मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में दुनिया के सबसे बड़े एआई इंपेक्ट समिट का उद्घाटन किया है। यह पांच दिनों तक देश और दुनिया के 18 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में चलेगा। इस समय जब दुनिया तेजी से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ रही है, तब भारत भी इस दिशा में मजबूत और दूरदर्शी रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। देश न केवल वर्तमान बल्कि भावी पीढ़ी के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक बेहतरीन योजना के साथ कार्य कर रहा है। इसी राष्ट्रीय सोच के अनुरूप उत्तर प्रदेश ने भी पिछले साढ़े आठ से पौने नौ वर्षों में खुद को परिवर्तन की आधारभूमि के रूप में स्थापित किया है। प्रदेश में आए इस व्यापक बदलाव को ह्लटेक्नोलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसफॉर्मेशनह्व की त्रिवेणी के रूप में देखा जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश और दुनिया के सामने टेक्नोलॉजी, भरोसे और परिवर्तन के समन्वित मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। यह त्रिवेणी केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली और विकास की दिशा का प्रतीक बन चुकी है। उत्तर प्रदेश की ही धरती पर प्रयागराज स्थित है जिसकी पहचान मां गंगा, यमुना और सरस्वती की पावन त्रिवेणी से है। उसी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रतीक को आधुनिक संदर्भ में नया रूप देते हुए उत्तर प्रदेश ने ह्लटेक्नोलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसफॉर्मेशनह्व की नई त्रिवेणी को विकास के केंद्र में स्थापित किया है। यह नई त्रिवेणी प्रदेश की प्रगति, पारदर्शिता और जनविश्वास की आधारशिला बन चुकी है।

नीतिगत उदासीनता और विकास विरोधी सोच के माहौल को हमने बदला

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नीतिगत उदासीनता, प्रशासनिक शिथिलता और विकास विरोधी सोच का जो माहौल था, उसे बीते वर्षों में पूरी तरह बदलने का प्रयास किया गया।